साप्ताहिक
शहर सत्ता
RNI TITLE CODE - CHHHIN17596
सोमवार, 16 जून से 22 जून 2025
हम दिखाएंगे आईना...
वर्ष : 01 अंक : 15 पृष्ठ : 12 मूल्य : 5 रुपए www.shaharsatta.com

पेज 03 में...
अनटाइड फंड का कोई ऑडिट नहीं...!

पेज 04 में...
स्मृति शेष रामजी अग्रवाल

पेज 12 '10 कैफे' आवंटन, संचालन और लीज शर्तों की बैठी जांच

जुएं की ज़द में पुलिस रेंज...

- ★ रायपुर रेंज में जुएं की फड़ का बेताज बादशाह है छोटू भांडुलकर
- ★ पुलिस रेंज रायपुर कार्यालय तक जाता है लाखों रूपये का नजराना
- ★ पार्षद पत्नी के चलते मिलता रहा है धंधे को राजनितिक संरक्षण
- ★ लोकेशन करते हैं चेंज, फिर बैठती है 2 से 8 करोड़ रूपये की फड़
- ★ व्यवस्था ऐसी की बारिश में तालपत्री लगाकर गड्ढा खोदकर जमती है फड़

शहरसत्ता पड़ताल

रायपुर, राजिम और गरियाबंद में पिछले 7 साल से एक ही शातिर जुएं की फड़ का बेताज बादशाह बना बैठा है। आईजी रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा को मातहत अँधेरे में रखे हैं। कुख्यात हिस्ट्रीशीटर, रासुका और जिलाबदर का ख़िताब हासिल छोटू भांडुलकर की फड़ अब 200 जुआरियों का आंकड़ा छूने लगी है। जुएं की फड़ का अगर रुपयों में हिसाब लगाएं तो यह रोजाना 3 से 8 करोड़ का धंधा हैं। छोटू भांडुलकर सिर्फ नाम का छोटा है सियासी रसूख बड़ी है। इसकी फड़ में हारने वालों को बाकायदा उधार देने के लिए फाइनेंसर भी उपलब्ध हैं। शहर सत्ता के क्राइम रिपोर्टर ने विशेष प्रयासों से एक स्टिंग किया। जिसमें भांडुलकर के गोरखधंधे की रियासत का सबूत बयान करती तस्वीरें और करीबियों द्वारा बताये गए राज तथा उसके लोकेशन को ट्रेस किया गया है।

शहर सत्ता/रायपुर। छगपु. लगातार नशे के साथ-साथ पूरे प्रदेश में जुएँ पर भी नकेल कसने की जद्दोजहद मे लगी हुई है तो वही दूसरी और राजिम के नयापारा निवासी भांडुलकर बाप बेटे पर पुलिस विभाग से लेकर स्थानीय नेता भी मेहरबान है। प्रदेश के तीन जिलों में सिर्फ छोटू भांडुलकर का जुआ पिछले 7 साल से फल फूल रहा है। राजिम का रहने वाला छोटू भांडुलकर हत्या के मामले में भी जेल जा चुका है । गुर्गे और बेटा दावा करते नही थकते की तीनो जिलों की पुलिस हमारे रेंज में है।

जुआरियों का दावा है कि कोई भी शिकायत कर ले पुलिस हमारे अड्डे मे कभी छापा नहीं मारेगी। इस दावे के पीछे की वजह की बात करे तो, सूत्र बताते हैं की रेंज के आला अफसरों को भी 8 लाख रूपए बतौर नजराना जाता है। इन दावों में कितनी सच्चाई है यह जांच का विषय है। भूपेश सरकार मे राजनीति मे भी छोटू भांडुलकर की पत्नी को पार्षद बना कर अपने जुए के काले कारोबार को और बढ़ाया है जो की सत्ता परिवर्तन के बाद भी धड़ल्ले से जारी है। वहीँ छोटू भांडुलकर पर अब तक 50 से अधिक गंभीर मामले दर्ज हैं जिसके चलते यह दो दर्जन से ज्यादा बार जेल भी जा चूका है।

भांडुलकर का धंधा एक नजर

- एंट्री फ़ीस प्रति व्यक्ति प्रति घंटा 500 रूपये है
- खिलाडियों से चकरी का 8% वसूलते हैं नाल
- उधारी देने वाले फाइनेंसरों से लेते हैं रोजाना 5% ब्याज
- माफिया और गुंडे बदमाशों का पैसा खपाते हैं फाइनेंसर

सुरक्षा ऐसी, धंधे का वक्त ये

- रात 8 बजे से देर रात 3 बजे तक चलती फड़
- 25 हथियारबंध लड़कों की गैंग करती है निगरानी
- भांडुलकर बाप-बेटों की सुरक्षा में बाउंसर तैनात
- रायपुर, धमतरी, गरियाबंद के आउटर में लोकेशन

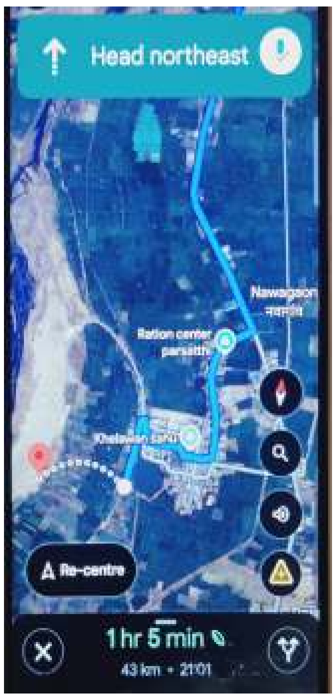

लोकेशन 1
9 जून 2025

लोकेशन 2
12 जून 2025

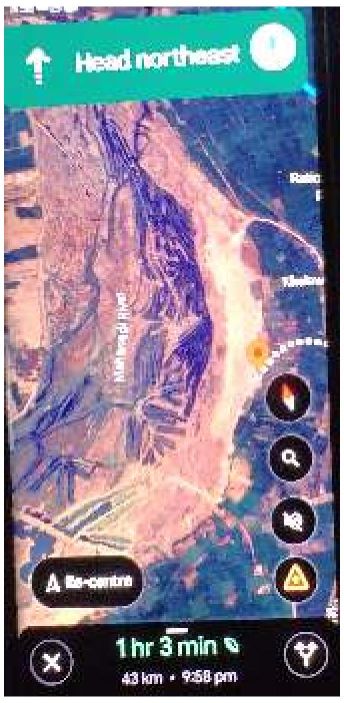

लोकेशन 3
15 जून 2025

शहर सत्ता ने की पड़ताल और बनाया वीडियो

छोटू भांडुलकर पुलिस, नेता और परिवार की शह पर संचालित इस अवैध कारोबार की जानकारी मिलते ही शहर सत्ता की टीम ने इसकी पड़ताल शुरू की और राजिम की महानदी रिवर शमशान घाट के करीब खुले मैदान में लोकेशन थी। जिसके प्रमाण स्वरुप हमारे पास इस खबर से जुड़े वीडियो और जुआ खिलाने वाली जगहों की लोकेशन भी मौजूद है। और खिलाडी भी बड़ी संख्या में बैठे दिख रहे हैं। वीडियो स्टिंग के दौरान बीच मैदान में सोलर बैटरी लाइट की रौशनी में दांव लग रहा था।

फड़ में आते हैं प्रदेश भर के जुआड़ी

प्रदेश भर के प्रोफेशनल जुआड़ी बेझिझक रात भर जुए का दांव लगाने आते हैं। जिसमे की कवर्धा, बिलासपुर, जांजगीर, भिलाई दुर्ग, राजनांदगांव, कोरबा, महासमुंद, बागबाहरा, राजधानी रायपुर समेत पूरे प्रदेश से लगभग 200 से अधिक जुआड़ी रात भर लाखों के जुएं में शिरकत करते हैं। साथ ही प्रदेश के जुआ फड़ में फाइनेंस करने के लिए भी राज्य के माफियाओं और गुंडे बदमाशों के गुर्गे भी फड़ में मोटी रकम लेकर तैनात रहते हैं और हारे हुए खिलाड़ियों को भारी ब्याज दर में खेलने के लिए पैसा उधारी देते हैं। कई खिलाडियों को उनकी गाडी, ज्वेलरी, संपत्ति के एवज में पैसे दिया जाता है। जिसमे छोटू भांडुलकर एंड कंपनी का भी परसेंट कट तय रहता है।

बड़ी गाड़ियों में आने वालों को शूटर ले जाते हैं

भांडुलकर की फड़ व्यवस्था में सुरक्षा, खाने-पीने और गुटखा-सिगरेट से लेकर बाइकर्स तक रहता है। बाहर से आने वाले आदतन और बड़े जुआरियों की बड़ी गाड़ियों को महफूज ठिकाने में पार्क करने के बाद छोटू के शूटर्स जो बाइकर्स हैं वो फड़ की लोकेशन तक लाने-ले-जाने का काम करते हैं। लड़कों की गैंग थ्री लेयर में अनचाहे लोगों की आमदरफ्त पर पैनी नजर रखती है। बड़े खिलाडियों की मनचाही चीजों शराब, नॉनवेज, सिगरेट से लेकर गुटखा तक की फरमाइश शूटर्स(बाइकर्स)के जिम्मे है।

घरवाली की राजनीति चमकाने की कोशिश

छोटू भांडुलकर और पार्षद पत्नी संध्या राव भांडुलकर

पत्नी संध्या राव भांडुलकर के पार्षद चुनाव में धन और बाहुबल लगा दिया था। पानी की तरह अपनी कमाई खर्च करने के बाद भी नगर पालिका उपाध्यहक्ष बनाने का उसका सपना अधूरा ही रह गया। जिसके चलते अब वह जुए के पैसे और कांग्रेस के बड़े नेताओं के करीबी होने का लाभ उठाते हुए आगामी विधानसभा चुनाव के मैदान में अपनी पत्नी को मैदान में उतारने की तैयारी में है ताकि उसका राशूक़ बढ़ सके और उसका जुए का कारोबार और भी ज्यादा बेहतर तरीके से फल फूल सके।

तोमर बंधुओं जैसी बाप-बेटे की जोड़ी

सूत्र यह भी तस्दीक करते हैं की छोटू भांडुलकर ने अपने बेटे आदित्य राव उर्फ़ बाबू को कांग्रेस की भूपेश सरकार में नयापारा के पारागांव और पितईबंद में अवैध रेत खनन के धंदे में उतारा था। जिसमे उसके सहयोगियों ने भी छोटू के कहने पर पैसा लगाया था। जिसकी आजतक वापसी नहीं हुई है और इस धंधे में बर्बाद हुए कारोबारी आज भी अपनी डूबी रकम की वापसी के लिए भांडुलकर परिवार का चक्कर लगा रहे हैं। साथ ही जिस भी व्यापारी ने इनसे अपनी रकम दमदारी से वापस मांगने की कोशिश की उनकी जेसीबी जैसी गाड़ियों को इसने पुलिस के साथ सांठ गाँठ कर थाने में जब्त करवा दिया जो की आज भी वहीँ सड़ रही हैं। वहीँ रेत खदान के धंधे में लोगों का पैसा डुबाकर आदित्य राव भांडुलकर अपने परिवार के मूल धंधे यानी जुए के कारोबार में सहयोगी बन बैठा है।

फड़ चलाने वाला करोड़ों की संपत्ति का मालिक

जानकारी के मुताबिक रायपुर, धमतरी और गरियाबंद जिले में जुआ फड़ संचालित करने वाला निगरानी बदमाश छोटू भांडुलकर के पास करोड़ों की अवैध और अघोषित संपत्ति होने का भी करीबी दावा करते है। जानकारी के अनुसार इसने कुछ ही समय में अपनी पत्नी के राजनितिक रसूख और जुआ फड़ की बदौलत जमीन पर अवैध कब्जा कर करने तक का आरोप है। पार्षद पति छोटू भांडुलकर लक्जरी गाडी एमजी हेक्टर, थार और फार्चूनर जैसी गाड़ियां में जलवा अफरोज होता है। सूत्र बताते हैं की भांडुलकर ने जुए में हारे कुछ ग्रामीणों की जमीन जायदाद भी अपने कब्जे में रख लिया है।

नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत के साथ भांडुलकर की पार्षद पत्नी

हत्या लूट डकैती समेत रासुका का अपराध

राजिम के नयापारा की पार्षद संध्या राव भांडुलकर का पति और शातिर अपराधी छोटू भांडुलकर के ऊपर लगभग 54 से ज्यादा गंभीर अपराध दर्ज हैं। जिसमे हत्या, लूट, डकैती, हत्या का प्रयास, नारकोटिक्स एक्ट समेत जुआ फड़ संचालित करने के मामले में भी दर्जनों बार जेल की हवा खा चूका है। वहीँ छोटू भांडुलकर को रासुका लगा कर जिला बदर भी किया जा चूका है। इतने सारे अपराध दर्ज होने के बाद भी कांग्रेस के एक बड़े नेता के उसकी पार्षद पत्नी के करीबी होने की वजह से कांग्रेस शासनकाल से अब तक कोई भी बड़ी कार्रवाई नहीं हुई है।

शहरसत्ता फॉलोअप

अनटाइड फंड का कोई ऑडिट नहीं...!

- कई उपस्वास्थ्य केंद्रों के अनटाइड फंड में फर्जीवाड़ा
- फर्जी हस्ताक्षर कर लाखों की निकासी की शिकायत
- सालों से नहीं हुई कई उपस्वास्थ्य केंद्रों की ऑडिट
- प्रमोशन लिस्ट में अनटाइड फंड फर्जीवाड़ा के आरोपी

शहर सत्ता/रायपुर/बिलासपुर। तखतपुर विकासखंड के भरारी उपस्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता अन्नूराव पर अनटाइड फंड से फर्जी हस्ताक्षरों के जरिए लाखों रुपये की निकासी करने का गंभीर आरोप सामने आया है। यह मामला तब सुर्खियों में आया जब शहर सत्ता (02 जून 2025) और (04 जून 2025) में प्रकाशित समाचारों में उक्त आरोपों का खुलासा प्रमाणों के साथ किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, वर्ष 2013 से 2022 के बीच अन्नूराव द्वारा विभिन्न अवसरों पर बैंक से कुल ₹1,35,700 की राशि की निकासी की गई, जिसमें कुछ अवसरों पर संयुक्त हस्ताक्षर के नियमों की अवहेलना कर

देखिये अभी अकाउंटेंट अवकाश पर हैं। जानकारी मिली है और उनके आने के बाद पतासाजी करेंगे। वैसे अनटाइड फंड का ऑडिट नहीं हुआ है। कलेक्टर से जो शिकायत की गई है वो मार्क होकर आएगी तो निश्चित ही दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

-उमेश साहू, बीएमओ तखतपुर

फर्जी हस्ताक्षरों का उपयोग किया गया। वर्ष 2013 में संबंधित बैंक खाता ANM एवं RMA के संयुक्त हस्ताक्षर से संचालित होता था, किन्तु उस दौरान सह-हस्ताक्षरी अधिकारी की अनुपस्थिति में भी राशि आहरण कर ली गई। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया है कि अन्नूराव की पदस्थापन कई बार बदला गया, किंतु उन्होंने सम्बंधित स्थानों पर कार्यभार ग्रहण किए बिना भी वित्तीय गतिविधियां जारी रखीं। वर्ष 2017 में उन्हें टांडा स्थानांतरित किया गया था और फिर 2021 में शीश उपस्वास्थ्य केन्द्र में संलग्न किया गया, किंतु वर्तमान में वे भरारी में कार्यरत हैं—जिसकी वैधता स्वयं जांच का विषय है। शिकायतकर्ता आर.डी. राहुलदेव बर्मन द्वारा जिला प्रशासन को प्रेषित पत्र में मांग की गई है कि भरारी सहित आसपास के उपस्वास्थ्य केंद्रों को प्राप्त अनटाइड फंड की उच्च स्तरीय जांच करवाई जाए और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए।

वर्षवार राशि आहरण का विवरण (2013–2022)

क्र.	विभाग द्वारा राशि अंतरित तिथि	खाते में अंतरित राशि (₹)	अन्नूराव द्वारा राशि निकासी तिथि	निकासी गई राशि (₹)
1	30-09-2013	20,000	07-10-2013	15,000
2	—	—	21-10-2013	5,000
3	20-07-2017	10,000	31-07-2017	10,400
4	20-02-2018	10,000	22-03-2018	10,000
5	28-02-2019	10,000	07-03-2018 (तिथि असंगत)	10,000
6	18-03-2019	10,000	18-03-2019	10,000
7	26-09-2019	10,000	30-09-2019	10,300
8	24-10-2019	10,000	31-10-2019	10,000
9	29-11-2021	50,000	25-02-2022	50,000

कुल राशि निकासी: ₹1,35,700/- (शब्दों में – एक लाख पैंतीस हजार सात सौ रुपये मात्र)

नोट: क्रमांक 5 में निकासी तिथि (07-03-2018) अंतरित तिथि (28-02-2019) से पहले है, जो जांच का विषय है।

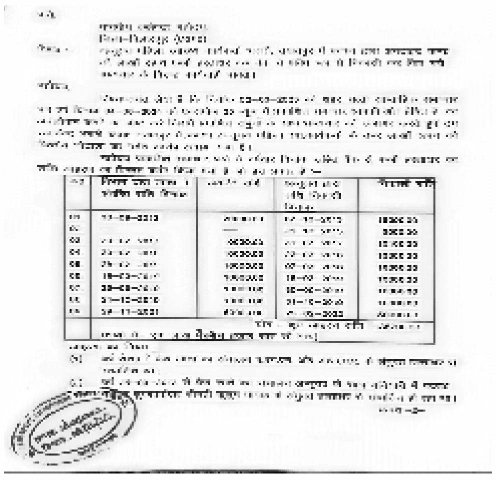

आरोपों को किया ख़ारिज, किया पलटवार

दूसरी ओर, अन्नूराव ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए दावा किया है कि शिकायतकर्ता पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर उन्हें बदनाम करने का प्रयास कर रहा है। उनका कहना है कि यह सब उनके पदोन्नति और गणतंत्र दिवस पर मिले सम्मान के बाद से किया जा रहा है। यह व्यक्ति झूठे आरोप लगाकर सबको बदनाम करता है। असल में, इसकी नज़र में जब से मेरी पदोन्नति नहीं हुई और मुझे 26 जनवरी को एक सम्मान मिला, तभी से यह मेरे पीछे पड़ा हुआ है। यह हर किसी का विरोध करता है, बार-बार RTI लगाकर माहौल खराब करता है।

फर्जीवाड़े के आरोपों से घिरी अन्नू राव को सम्मानित करते हुए वित्तमंत्री ओ.पी.चौधरी

आज से छत्तीसगढ़ में नया शिक्षण सत्र शुरू

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 16 जून से नया शिक्षण सत्र 2025-26 की औपचारिक शुरुआत हो रही है। इस अवसर पर राज्यभर के स्कूलों में 'शाला प्रवेश उत्सव' का आयोजन किया जाएगा। शिक्षा विभाग के मुताबिक इस बार सत्र की शुरुआत 'युक्तियुक्तकरण' के बाद हो रही है, जिससे प्रदेश के अधिकांश विद्यालयों में शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दावा किया कि युक्तियुक्तकरण के कारण अब प्रदेश के सभी स्कूलों में शिक्षक पदस्थ हो चुके हैं, और इससे बच्चों व अभिभावकों में संतोष का माहौल है। उन्होंने कहा: "जहां वर्षों से शिक्षक नहीं थे, या सिर्फ एक शिक्षक थे, वहां अब पूरा स्टाफ पहुंच गया है। मुझे पूरे प्रदेश से फोन आ रहे हैं—लोग धन्यवाद दे रहे हैं। यह बच्चों के भविष्य के लिए शुभ संकेत है।" युक्तियुक्तकरण से पहले 453 स्कूल शिक्षक विहीन थे। 5,936 स्कूलों में सिर्फ एक शिक्षक पदस्थ था। 80% एकल शिक्षक स्कूलों में कमी आई है। बीजापुर, नारायणपुर, सुकमा जैसे दूरस्थ जिलों में शिक्षक विहीन स्कूलों की स्थिति में सुधार हुआ।

रायपुर को दो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की मेजबानी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का गवाह बनेगा। शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम को इस साल दिसंबर और अगले साल जनवरी में दो बड़े अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की मेजबानी मिली है। यह जानकारी बीसीसीआई के उपाध्यक्ष और राज्यसभा सांसद राजीव शुक्ला ने छत्तीसगढ़ प्रीमियर लीग (CPL) के समापन समारोह में दी। शुक्ला ने कहा कि बीसीसीआई छत्तीसगढ़ में क्रिकेट को बढ़ावा देने लगातार प्रयासरत है। रायपुर का स्टेडियम अब बार-बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का ठिकाना बन रहा है, जो राज्य के लिए गौरव की बात है। भारत में न्यूजीलैंड की टीम जनवरी 2026 में दौरे पर आएगी, जिसमें वह तीन वनडे और पांच टी20 मैच खेलेगी। इन मुकाबलों में एक टी20 मैच रायपुर में आयोजित होगा। इससे पहले दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका के भारत दौरे पर तीन वनडे और पांच टी20 मैचों की सीरीज होगी, जिसमें एक वनडे रायपुर में होगा।

मैच शेड्यूल:

3 दिसंबर 2025: भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका – वनडे मैच

23 जनवरी 2026: भारत बनाम न्यूजीलैंड – टी20 मुकाबला

मृतकों के नाम पर बना फर्जी मुख्तियारनामा, आधार कार्ड से बेच दी जमीन

डूमरतराई की दो एकड़ ज़मीन की तीन बार फर्जी रजिस्ट्री

रायपुर। डूमरतराई क्षेत्र की बेशकीमती जमीन को लेकर फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। इस जमीन पर पहले से हक रखने वाली महिला ने पुलिस में शिकायत की है कि उसकी 2 एकड़ जमीन को फर्जी दस्तावेजों के आधार पर तीन बार बेचा गया। इसमें मृत व्यक्तियों के नाम से फर्जी पहचान पत्र बनवाकर मुख्तियारनामा तैयार किया गया। मामले में पाटन तहसील (दुर्ग) से फर्जी मुख्तियारनामे बनवाने, फर्जी आधार कार्ड और मृतक व्यक्तियों के नामों का गलत इस्तेमाल कर बैनामा रजिस्ट्री कराने का आरोप है।

पूरा मामला माना थाना क्षेत्र का है, जहां शिकायतकर्ता पुष्पा माखीजा ने पुलिस को बताया कि उनके पति शीतल माखीजा ने वर्ष 1990 में कमल विहार चौक के पास खसरा नंबर 235/18, 235/19 और 235/21 कुल 4 एकड़ जमीन खरीदी थी, जिसमें से दो एकड़ भूमि को बाद में 9 परिचितों के नाम मुख्तियारनामे के माध्यम से दर्ज किया गया था। शिकायत के अनुसार, वर्ष 2017 में इन 9 में से 6 लोगों ने शेष 2 एकड़ भूमि को पुष्पा माखीजा के पक्ष में

हस्तांतरित कर दिया था। जबकि बाकी बचे तीन व्यक्तियों में से एक शोभराज की मृत्यु वर्ष 2008 में, दूसरे अशोक कुमार की मृत्यु मई 2023 में और तीसरे राजलदास की मृत्यु जनवरी 2024 में हो चुकी थी।

पुष्पा माखीजा ने मार्च 2024 में पाया कि किसी प्रशांत शर्मा निवासी जोरापारा रायपुर ने इन मृत व्यक्तियों के नाम पर फर्जी पहचान पत्र (आधार कार्ड) तैयार कर पाटन तहसील (दुर्ग) में एक फरवरी 2024 को फर्जी मुख्तियारनामा बनवाया और फिर गजानंद मेश्राम के नाम पर 22 फरवरी 2024 को रजिस्ट्री कर दी। इसके बाद, उक्त भूमि को जुलाई 2024 में गजानंद मेश्राम द्वारा महेश गोयल और विशाल शर्मा के नाम बेच दिया गया और नामांतरण भी करा लिया गया, जबकि संबंधित तीन मुख्तियारदाता पहले ही दिवंगत हो चुके थे।

शिकायत के बाद FIR दर्ज

पुष्पा माखीजा ने इस संबंध में माना थाने में लिखित शिकायत दी। प्रारंभिक जांच के आधार पर धारा 420, 467, 468, 471 और 34 आईपीसी के तहत अपराध दर्ज कर लिया गया है और पुलिस ने विवेचना शुरू कर दी है। पुष्पा माखीजा का कहना है कि उक्त भूमि को उन्होंने IDS स्कीम के अंतर्गत आयकर विभाग में घोषित किया था और उनके परिवार की भावी जरूरतों के लिए सुरक्षित रखी गई थी। अब यह फर्जीवाड़े के जरिए हड़प ली गई है।

मृतकों की जगह खड़ा किए फर्जी व्यक्ति

इस जमीन पर अधिकार रखने वाले नौ लोगों में से तीन—शोभराज (मृत्यु: 2008), अशोक कुमार (2023), राजलदास (2024)—अब जीवित ही नहीं हैं। बावजूद इसके, इनके नाम पर फर्जी व्यक्ति खड़े कर, फर्जी आधार कार्ड के जरिये मुख्तियारनामा 01 फरवरी 2024 को पाटन तहसील से तैयार कराया गया। इसके बाद, 22 फरवरी 2024 को गजानंद मेश्राम के नाम रजिस्ट्री की गई। जुलाई 2024 में मेश्राम ने उक्त ज़मीन को महेश गोयल और विशाल शर्मा को बेच दिया, और नामांतरण भी करा लिया गया।

क्या कहते हैं कानूनी जानकार?

"अगर कोई व्यक्ति मृत्यु के बाद भी दस्तावेजों में जीवित दिखाया जाता है और उसकी ओर से संपत्ति बेची जाती है, तो यह न केवल संपत्ति अधिनियम का उल्लंघन है, बल्कि फौजदारी अपराध भी है। ऐसे मामलों में संलिप्त सभी पर सख्त धाराएं लगाई जा सकती हैं।"

— शरद यादव, अधिवक्ता, रायपुर जिला न्यायालय

साप्ताहिक शहर सत्ता

स्मृति शेष.... 'रामजी अग्रवाल'

दशरथ सा स्नेह, राम सा पौरुष और पारस पत्थर का गुण

प्रकाश जोशी एवं प्रदीप चंद्रवंशी

टीबाबसाई जिला झुंझुनूं राजस्थान से छत्तीसगढ़ को अपनी कर्मभूमि बनाने वाले बाबू जी रामजी अग्रवाल निश्चित ही स्वर्ग में सर्वोच्च स्थान में विराजमान होंगें। श्रमिकों सी फुर्तीली काया, अधरों में स्नेहभरी अपनत्व वाली मुस्कराहट और अपरिचितों को भी अपना बनाने वाला व्यक्तित्व बिरलों में ही होता है। परिवार, कारोबार, समाज और गौ सेवा के लिए संघर्ष और सफलताओं के 96 सोपान तय कर चीर अनंत में विलीन हो गए बाबूजी रामजी अग्रवाल की शीतल, शिक्षाप्रद स्मृति छाया हमारे लिए ऋषि प्रसाद तुल्य है।

शहर सत्ता/रायपुर। ताऊजी, बाबूजी, बाबा जी और पिता जी ये सम्मानजनक संबोधन स्पष्ट दर्शाते हैं कि परिवार, समाज और मानवता के लिए उन्होंने बहुत किया है। टीबाबसाई जिला झुंझुनूं राजस्थान से छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में दूध में शक्कर की तरह मिल गए और फिर सफर तय किया अग्र बंधुओं को एक आदर्श समाज बनाने की साधना। इसके साथ ही शुरू हुई उनके गौसेवा धर्म की। तत्कालीन मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ को मजबूत अपराजित राजनेता पुत्र बृजमोहन अग्रवाल को जनसेवा के लिए समर्पित कर दिया। स्वर्गीय रामजी अग्रवाल का निःस्वार्थ योगदान और साधना आज छत्तीसगढ़ का हर एक वर्ग याद कर रहा है। राम जी की रसोई से कोई कभी भूखा नहीं आया और यह सिलसिला रामजी की वाटिका में आज भी अनवरत जारी है।

गाएं उनसे और वो गायों से करते थे अपार स्नेह

राजधानी रायपुर की कुछ खास पहचानों में से एक है महाबीर गौशाला। कारोबारी व्यस्तता, पारिवारिक उत्तरदायित्व और कैसा भी मौसम रहे रामजी अपनी गौसेवा को भूलते नहीं थे। गौधन सेवा से लेकर उनकी खुराक तक और फिर सभी गायों पर स्नेह भरी थपथपाहट ने स्वर्गीय रामजी अग्रवाल और गौशाला की सभी गायों के मध्य एक अनूठा रिश्ता बन गया था। गायें उन्हें देखकर ही ख़ुशी से रंभाने लगती और नंन्हे बछड़े निडर हो उनके पास आकर चिपककर बैठ जाते। गौशाला के सेवक बताते हैं मानों कृष्ण और उनकी गायों के बीच स्नेह का यह दृश्य बाबूजी का गायों के प्रति था जिसे सभी ने देखा है।

सात्विक परिधान धोती-कुर्ता टोपी पहचान

बाबूजी रामजी अग्रवाल जितने सात्विक प्रवृति के थे उनका परिधान भी उतना ही उज्जवल-धवल था। झक सफ़ेद धोती, कुर्ता और गांधी टोपी उनके व्यक्तित्व का बखान खुद करती दिखती थी। यदा-कदा मौसम के मद्देनजर वो हाफ कोटि या जैकेट भी पहनते थे तब उनकी परसनलिटी उभरकर दिखती। हालांकि उनका प्रिय परिधान यही था और अंत तक रहा। लेकिन, वे आधुनिक वेशभूषा के कभी दुश्मन नहीं रहे। अपने परिवार के साथ पहली विदेश यात्रा में उन्होंने बच्चों की इक्षा पूर्ति के लिए पहली बार धोती-कुर्ता पहनने की बजाए पेंट-शर्ट पहना था।

लोहे को सोना बनाने का अद्भुत हुनर

स्वर्गीय रामजी अग्रवाल को पारस पत्थर कहें तो अतिश्योक्ति नहीं होगी। परिवार को संस्कार देने के साथ ही समाज के भटके लोगों को भी उन्होंने सदमार्ग दिखाया। एक ऐसा ही वाक्या हुआ जब वे अग्रवाल समाज के अध्यक्ष थे। उन्हें कुछ लोगों ने अग्रवाल समाज के एक युवक के बारे में बताया जो गलत रास्ते पर चल पड़ा था। गलत आदतें पाल लिया था। उसके परिजनों ने जब रामजी अग्रवाल को उसकी शिकायत की और डांटने को बोला तो बाबूजी ने शांत लेकिन पालक की तरह उसे डांटा नहीं सिर्फ गंभीर शब्दों में कहा- "देखो क्या तुममें कोई बुराई है? और क्या ऐसी बुराइयां हम अग्रवालों में होनी चाहिए?डांट और फटकार की जगह अकेले कमरे में बाबूजी के सवाल और फिर समझाइश सुनकर लड़का रो पड़ा और स्वीकार किया उसमें बुराइयां है, और वह उसे छोड़ भी दिया।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल के 'जनक' रामजी

तत्कालीन मध्यप्रदेश से लेकर वर्तमान छत्तीसगढ़ में भाजपा के सबसे मजबूत नेता बृजमोहन अग्रवाल 'रामजी' के ही दूसरे नंबर के पुत्र हैं। उनके पांच पुत्र हैं और सभी अपने पिता के आदर्शों को आत्मसात कर अपने कर्म कर रहे हैं। राजधानी समेत प्रदेश को बेहतरीन अनुभवी मंत्री, सांसद और लोकप्रिय नेता के रूप में बृजमोहन अग्रवाल हमें मिला। रामजी के ज्येष्ठ पुत्र गोपालकृष्ण अग्रवाल, बृजमोहन अग्रवाल, विजय अग्रवाल, योगेश अग्रवाल, यशवंत अग्रवाल, और पुत्री सावित्री देवी अग्रवाल हैं।

पोलियो को हराया, बेटे को जिताया

रामजी अग्रवाल के पुत्र यशवंत (मुन्ना)को बचपन में पोलियो हो गया था। डॉक्टरों ने बोल दिया था कि उनका बेटा मुन्ना चल और दौड़ नहीं पायेगा। देश के बड़े बड़े डॉक्टरों को दिखाया लेकिन भरोसा नहीं मिला। यशवंत के मुताबिक पिताजी ने छाती ठोककर कहा मेरा मुन्ना चलेगा और दौड़ेगा और रेस में आगे जायेगा। पुत्र यशवंत का कहना है कि उन्होंने अथक प्रयास किया और दिन-रात मेंरे पैरों की मालिश किये और आज उनके ही आशीर्वाद से उनका मुन्ना उस पोलियोग्रस्त पैर को पर (पंख)बनाने के लिए खूब जतन किये। ठीक हो गया बड़ा हो गया तो मैं भी जब बापू थक जाते तो मुझको ही आवाज लगाते और पेअर दबाने कहते। उनके क़दमों में ही मेरा स्वर्ग है।

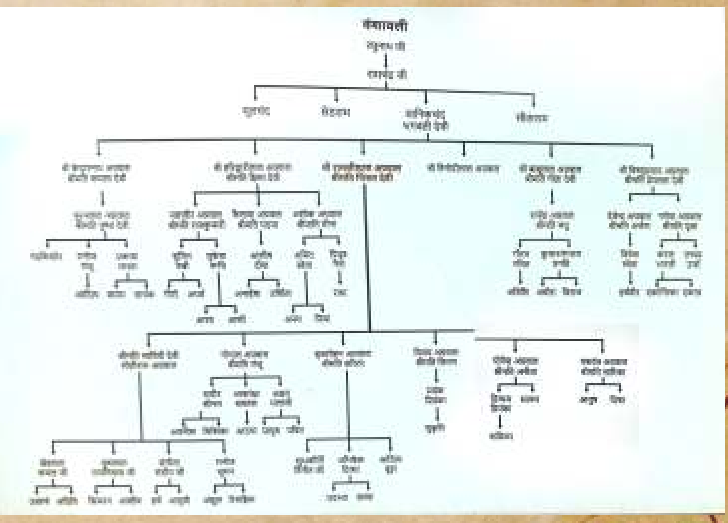

संपादकीय

◦ सुकांत राजपूत

खनिज माफियाओं का तांडव

हिं छत्तीसगढ़ में खनिज माफियाओं के आतंक का अंदाज़ इसी से लगाया जा सकता है जब भूपेश सरकार के कार्यकाल में पूर्व मंत्री और भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने विधानसभा में इसके लिए आवाज बुलंद की थी। हालांकि इस दौरान उन्होंने अपनी जान को भी खतरा बताते हुए बेलगाम रेत माफियाओं पर सख्ती बरतने की भी गुजारिश की थी। विडंबना यह कि अब उनकी पार्टी सियासत में है और अब भी खनिज माफिया प्रदेश में तांडव कर रहे हैं। उनके इस जघन्य अपराध में खनिज विभाग, पुलिस विभाग और पर्यावरण तथा वन विभाग भी शामिल है। सरपंच, ग्रामीण की भूमिका भी माफियाओं को शाह देती दिखती हैं।

बलरामपुर की घटना में लापरवाही बरतने पर सनावल थाना प्रभारी को निलंबित कर दिया गया। लेकिन अदालत ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा – "सिर्फ सस्पेंशन से क्या माफिया रुक जाएंगे?" राज्य सरकार को अब जवाब देना ही होगा कि आखिर किसके संरक्षण में यह खनन माफिया फल-फूल रहे हैं? बलरामपुर के बाद गरियाबंद में भी रेत माफियाओं ने ग्रामीणों पर फायरिंग कर दी। इस पर हाईकोर्ट ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा – "क्या छत्तीसगढ़ में माफिया राज चल रहा है?" ऐसी घटनाओं को दोहराने से रोकने के लिए कठोरतम कार्रवाई जरूरी है।

रेत माफियाओं के बुलंद हौसलों को लेकर हाई कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए राज्य सरकार से सख्त सवाल पूछे हैं। कोर्ट ने प्रदेश के मुख्य सचिव और खनिज सचिव से जवाब तलब किया है कि जब पहले ही अवैध खनन रोकने के निर्देश दिए जा चुके हैं, तो फिर यह हाल क्यों है? कोर्ट ने राज्य के मुख्य सचिव और खनिज सचिव को तलब करते हुए पूछा – "आखिर प्रदेश में रेत माफिया का आतंक कब खत्म होगा?" कोर्ट ने तल्ख लहजे में कहा कि इस तरह की घटनाएं यह दर्शाती हैं कि सरकार और पुलिस तंत्र पूरी तरह विफल है। अगर अवैध खनन नहीं रुका और ऐसी वारदातें फिर हुईं, तो सख्त न्यायिक हस्तक्षेप होगा।

छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले के ग्राम खपरिडीह में खनिज माफियाओं की दबंगई का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मुखबिरी के संदेह में उन्होंने एक युवक को गांव के सार्वजनिक चौक में खंभे से बांधकर लाठी, डंडे और बेल्ट से बेरहमी से पीटा। इस अमानवीय घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिससे आमजन में आक्रोश है। यह घटना गिधौरी थाना क्षेत्र की है। रेत माफियाओं की दबंगई के मामले में डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा कि, गुंडागिरी बर्दाश्त नहीं होगी। जो लोग कानून को अपने हाथ में लेंगे ऐसे लोगों पर कड़ी कार्रवाई होगी। माफिया को नहीं पनपने दिया जाएगा।

हिंसा अब जेंडर-न्यूट्रल

मेघना पंत

हमें इस सच्चाई को स्वीकारना चाहिए कि हिंसा अब जेंडर-न्यूट्रल होती जा रही है। जब महिलाएं हिंसक होती हैं तो उनके प्रति भी न्याय को निष्पक्ष और त्वरित ही होना चाहिए। लेकिन जेंडर के परे अगर हम समस्या की जड़ को देखना शुरू करेंगे, तभी हमें वे उत्तर मिलेंगे जिनकी हम वास्तव में तलाश कर रहे हैं। एक व्यक्ति अपने बेडरूम में मृत पड़ा है। मारने से पहले उसे किसी भारी वस्तु से निर्ममता से पीटा गया है, या उसका गला घोंटा गया है या उसे जहर दे दिया गया है। कठघरे में उसके घर में चोरी करने घुसा कोई अपराधी या शत्रु नहीं, बल्कि उसकी पत्नी खड़ी है। कभी-कभी, पत्नी का प्रेमी भी उसके बगल में बैठा होता है।

ये सुर्खियां इतनी भयावह हैं कि उन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता : पत्नियां- जो प्रेमी के बहकावे में आकर या उसको बहकाकर अपने पति की साजिश रच देती हैं। इन कहानियों में विश्वासघात, सेक्स और हत्या के तमाम सनसनीखेज ब्योरे शामिल होते हैं। लेकिन क्या ये कहानियां समाज के हाशिए में अलग-थलग घटित होने वाली दुर्घटनाएं हैं, या वे एक गहरे सामाजिक पतन का संकेत दे रही हैं?

क्या हम कुछ एक्स्ट्रीम मामलों को चुन-चुन कर उन्हें महिलाओं को बदनाम करने वाली कहानियों में बदल रहे हैं और उनसे अधिक व्यापक सच्चाइयों को सुविधाजनक रूप से नजरअंदाज कर रहे हैं? या सच में ही हम ऐसी महिलाओं की संख्या में बढ़ोतरी होते देख रहे हैं, जो अपने ही घरों में हिंसक अपराधी बन रही हैं? जबकि ये वही महिलाएं हैं, जिन्हें परम्परागत रूप से परिवार का पालन-पोषण करने वाली माना जाता रहा है। और क्या कुछ पुरुषों के पीड़ित होने के बावजूद आज भी महिलाओं के ही विक्टिम होने की सम्भावना अधिक है?

उन्माद से भरी इन कहानियों के नीचे कहीं अधिक जटिल, और परेशान करने वाली वास्तविकताएं छिपी हैं। हमें इस बात को लेकर कोई दुविधा नहीं होनी चाहिए कि आज भी भारत और दुनिया में घरेलू हिंसा की अधिकांश घटनाएं पुरुषों द्वारा महिलाओं पर की जाती हैं। महिलाओं को उनके पार्टनर द्वारा पीटे जाने, उनका उत्पीड़न करने, और यहां तक कि उनकी हत्या करने की सम्भावनाएं भी महिलाओं द्वारा अपने पुरुष-पार्टनर के साथ ऐसा करने की तुलना में अधिक हैं। इसमें कोई बदलाव नहीं आया है। जो बदला है वह वो सांस्कृतिक असुविधा है, जो पुरुष के विक्टिम और महिला के अपराधी होने पर उत्पन्न होती है।

प्रेमियों के लिए अपने पतियों की हत्या करने वाली महिलाओं के कुछ हाई-प्रोफाइल मामले चौंकाने वाले हैं, क्योंकि वे उस सामाजिक

नैरेटिव को चुनौती देते हैं, जिसे हम लंबे समय से स्वीकार करते आ रहे हैं। यह कि महिलाएं- विशेष रूप से पत्नियां- हिंसा की घटनाओं में निष्क्रिय सहभागिता करती हैं, उन्हें खुद बढ़ावा नहीं देतीं। जब यह बात उलट जाती है, तो वे हमें बेचैन करने लगती हैं।

और इसके बावजूद, हमें इन घटनाओं को सभी विवाहों या सभी महिलाओं का प्रतिनिधित्व करने वाली के रूप में देखने की इच्छा का विरोध करना चाहिए। हां, ऐसी घटनाएं सच में ही घटित हो रही हैं- सभी राज्यों और सामाजिक वर्गों में- जहां महिलाओं ने या तो जुनून या हताशा या लालच के कारण अपने पतियों की हत्या करने के लिए अपने प्रेमियों के साथ मिलकर साजिश रची हैं। ये मनगढ़ंत नहीं हैं। ये भयानक, आपराधिक कृत्य हैं। लेकिन साथ ही ये घटनाएं अभी अपवादस्वरूप ही हैं, सांख्यिकीय रूप से दुर्लभ हैं। जो बात खतरनाक है, वो है इन घटनाओं को महिलाओं की नैतिकता के व्यापक क्षरण की तरह से पेश किया जाना। यह सीधे तौर पर इस पितृसत्तात्मक डर को बढ़ावा देता है कि अगर महिलाओं को बहुत अधिक स्वतंत्रता दी जाए तो वे अनियंत्रित हो जाएंगी। इस तरह की प्रतिक्रियाएं न तो पुरुषों और न ही महिलाओं के लिए मददगार हैं।

बल्कि इससे वह वास्तविक-विमर्श धुंधला हो जाता है, जिस पर हमें बात करनी चाहिए; वह है जेंडर के परे भारतीय घरों में हिंसा का बढ़ता सामान्यीकरण। विवाह, जिसे कभी दो लोगों की शरणस्थली माना जाता था, वह अब सत्ता-संघर्ष, अविश्वास और कभी-कभी खून-खराबे का भी स्थल बन रहा है। इन घटनाओं का इस्तेमाल महिलाओं को बदनाम करने या विक्टिमहुड की रस्साकशी करने में करने के बजाय हमें इस सच्चाई को स्वीकारना चाहिए। जब महिलाएं हिंसक होती हैं तो उनके प्रति भी न्याय को निष्पक्ष और त्वरित ही होना चाहिए। लेकिन जेंडर के परे अगर हम समस्या की जड़ को देखना शुरू करेंगे, तभी हमें वे उत्तर मिलेंगे जिनकी हम वास्तव में तलाश कर रहे हैं। **(ये लेखिका के अपने विचार हैं)**

पिता होने के एहसास के साथ ही जीवन स्वयं को सुंदरता से उद्घाटित करता है

पैरेंटल लीव के दो सप्ताह बाद मैं काम पर लौटा था। 1990 के दशक की उस शुरुआत में मैंने खुद को रजत शर्मा और फातिमा जकारिया के साथ मीटिंग्स के दौरान एक अनजानी स्थिति में पाया। जब भी दफ्तर में फोन बजता, मुझे लगता जैसे वह मेरे लिए है। 'क्या बच्ची सो गई?' या 'क्या वह ठीक है?' या इसी तरह के विचार मेरे मन में उस नन्ही खुशी के बारे में आने लगते, जो उस समय हमारे घर आई थी।

मैं संपादकीय बैठकों में इस हद तक अनमना हो जाता था कि शर्मा और जकारिया मुझसे पूछते 'क्या तुम ठीक हो? क्या घर पर सब दुरुस्त है?' पिता बनना उस समय मेरे अस्तित्व की सबसे सुखद घटना थी। मैं एक साथ बहुत सारी नई चीजों के बारे में जान रहा था- धैर्य, दुर्बलता, दृढ़ता, जब बच्चा कपड़े, चादरें आदि गंदा कर देता है तो मुंह न बनाना आदि।

मेरे भीतर धीरे-धीरे एक जीवन देने वाली उदारता बढ़ रही थी। मुझे महसूस हुआ जैसे मैं बेटी को उसके जन्म से पहले से जानता था, जब मैं उसकी मां के साथ विभिन्न अपॉइंटमेंट्स में गया था और अल्ट्रासाउंड्स देखे थे, जिनमें मैंने गर्भस्थ शिशु से भौतिक दूरी के बावजूद उसके करीब रहने के तरीके खोज निकाले थे।

लगभग हर रोज ही मैं उसे छाती से लगाए घूमता था, और जैसे-जैसे हमारा रिश्ता आगे बढ़ा, मौसम बदलते रहे- पहले गर्मी से बरसात और फिर धीरे-धीरे मध्य गर्मी से सर्दी तक। मेरी पत्नी और मेरा पूरा जीवन उसके इर्द-गिर्द ही घूमता था। रोजमर्रा की गतिविधियां सबसे ज्यादा मायने रखती थीं।

बच्ची का स्पर्श, देर रात तक उसे भोजन देना, उसकी हर छोटी से छोटी आवाज के मायने निकालना और इससे पहले कि वह हमें थोड़ी देर सोने की मोहलत देती, धैर्यपूर्वक उसकी सफाई करना। इस गहन संबंध ने मुझे सिखाया कि बेटी और पिता के बीच का बंधन अपनी अटूट उपस्थिति के माध्यम से तेजी से आगे बढ़ रहा था।

एक आदर्श पिता बनने का दबाव मेरी अति-सतर्कता में प्रकट हुआ। हर घटना ने एक नई परवाह को जन्म दिया। मैंने न केवल उसे हर तालिका और दिशा-निर्देशों के अनुसार मापा, बल्कि मुझे यह भी पता था कि उसने कितने शब्द बोले! मैं उसके बारे में डेटा एकत्र करने को लेकर आविष्ट हो चुका था। और मैं एक पिता के रूप में अपनी क्षमताओं पर प्रसन्न था।

समय के साथ मैंने खुद को अधिक छूट दी और उत्कृष्टता के बाहरी मानक के बजाय उसकी स्वयं की शर्तों पर उसकी प्रगति को सराहने लगा। मैं कभी भी 'अपनी योग्यता साबित करो' वाली पैरेंटिंग मानसिकता के जाल में नहीं फंसा। मुझे लगा प्रामाणिक पैरेंटिंग का मतलब परफेक्शन नहीं, अपनी कमजोरियों के साथ जीना सीखना है।

किसी भी पिता की तरह मुझे भी एहसास हुआ कि पैरेंटहुड के लिए कोई नियमावली नहीं है। उस बड़ी जिम्मेदारी के साथ एक नुकसान भी आता है- अपने पूर्व के अस्तित्व और जीवन की सहज स्वतंत्रता की क्षति। जब भी मैं किसी उपन्यास के पन्नों में खोना शुरू करता, एक चीख, या खिलखिलाहट मेरा ध्यान भटका देती और मैं फिर से उस बिस्तर की ओर खिंचा चला जाता, जहां मेरी नन्ही खुशी सो रही होती थी।

दोस्तों के साथ योजना बनाना अब पहले की तरह स्वत:स्फूर्त नहीं रह गया था। बेफिक्री से भरे दिन थोड़े समय के लिए नहीं, बल्कि हमेशा के लिए पीछे छूट गए थे। इसकी मायूसी तो थी, लेकिन पछतावा नहीं था, क्योंकि उस नन्ही परी की मुस्कान हर नुकसान की सौ गुना भरपाई कर देती थी। एक बेफिक्र ग्रेजुएट छात्र से लेकर एक पोस्ट ग्रेजुएट आशावादी पति बनने तक, मैंने पितृत्व में अपनी पीएचडी हासिल कर ली और अपने लिए एक नया नाम पाया, जिसे अमूमन 'पापा' के नाम से जाना जाता है।

एक मनुष्य के रूप में हमारे दूसरे विकासों के विपरीत, माता-पिता बनना अचानक तीव्रता के साथ होता है। केवल देशकाल के परिप्रेक्ष्य के साथ ही मैं जीवन के रियर-व्यू मिरर में इस वास्तविकता को और अधिक स्पष्ट रूप से देख पाया हूं। और मैंने इस नए संतुलन के साथ तालमेल बिठाना शुरू कर दिया कि परिवार के साथ हमारा संबंध सबसे अधिक तब गहरा होता है, जब उसे नई जिम्मेदारियों की चुनौती दी जाती है और वे जिम्मेदारियां हमें खुद को फिर से परिभाषित करने के लिए मजबूर करती हैं।

फंडा यह है कि जीवन वास्तव में तब हमारे सामने स्वयं को उद्घाटित करता है जब हम माता-पिता के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को सीखने की प्रक्रिया में होते हैं।

कोंदा-भैरा के गोठ

-दादा दिवस के जोहार जी भैरा.

-यहा का नवा चरित्तर ए जी कोंदा.. दिन न बादर अउ ददा ल जोहार.. हमन पितर पाख म दाई ददा मनला जोहारथन गा.

-अरे बइहा.. ए ह जीयत ददा अउ ददा जइसन आने नता जे मन हमर जिनगी म पालक के भूमिका निभाए रहिथें, ते मनला जोहारे के माने आभार व्यक्त करे के दिवस आय.. हर बछर जून महीना के तीसरइया इतवार के जोहारे जाथे.. अउ एला पूरा दुनिया भर मनाए जाथे.

-अच्छा.. अइसे.. माने जइसे महतारी मनला उँकर सेवा त्याग के आभार व्यक्त करे बर मदर्स डे मनाए जाथे तइसने.

-अब ठउका समझे भई.. ठीक हे हमन अपन छत्तीसगढ़ के परंपरा ल मानथन अउ जीथन, तभो दुनिया संग घलो जेन वाजिब जनाथे तइसन परंपरा म खाँध जोर के रेंगबो तभे तो बनही जी.

-सही कहे.. जम्मो च जगा कुँआ के मेचका बन के रेहे म नइ बनय.. फेर हमर इहाँ तो वसुधैव कुटुम्बकम माने पूरा दुनिया एक परिवार आय के अवधारणा प्रचलित हे, त वोमा सँघरबे तभे तो ए अवधारणा ह सिध परही.

-सिरतोन कहे संगी.. तहूँ ल हैप्पी फादर्स डे.

ईरान-इजराइल वॉर: कहीं तीसरे विश्व युद्ध की दस्तक तो नहीं

पूरा पश्चिम और मध्य पूर्व एशिया आज युद्ध के मुहाने पर बैठा है. रोज कोई न कोई देश किसी पर हमला कर देता है. सीरिया तो लगातार कई वर्षों से अशांत क्षेत्र है. इजराइल और फिलिस्तीन के बीच रोज गोले दगते हैं. रूस और यूक्रेन युद्ध सवा तीन वर्ष से चल रहा है. दक्षिण एशिया में भी पाकिस्तान अपने देश में आतंकी तत्त्वों को प्रश्रय देता है. तो क्या मान लिया जाए कि तीसरे विश्व युद्ध की तरफ दुनिया को धकेला जा रहा है. UAE, सउदी अरब, तुर्किये, मिस्र आज कोई भी देश शांति से नहीं बैठ रहा. इन युद्धों से वे विकसित देश भी कंगाल हो रहे हैं, जो NATO के चलते अमेरिका के इशारे पर चलने को बाध्य हैं. अब 13 जून को इजराइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया और अगली सुबह ईरान ने बैलेस्टिक मिसाइलों से इजराइल पर धावा बोल दिया. ईरान और इजराइल किसी भी स्थान पर अपना बॉर्डर शेयर नहीं करते. दोनों के बीच में इराक है, सीरिया है. जाहिर है ये हवाई हमले इन देशों के आकाश मार्ग से हुए. दोनों देशों के सैन्य ठिकानों का भारी नुकसान हुआ है. ईरानी सेना के सुप्रीम कमांडर मारे गए और कई परमाणु वैज्ञानिक भी. ईरान के हमले में भी तेल अबीव में काफी नुकसान पहुंचा है. इजराइल के कई युद्धक विमान नष्ट हो गए हैं. अब जो हालात बन रहे हैं, उससे लगता है कि ईरान और इजराइल के बीच लंबा खिंचने वाला है. हालांकि सीरिया और इराक ने अपने एयर स्पेस बंद कर दिए हैं. किंतु इसका नुकसान दुनिया भर में उड़ रहे नागरिक उड़ानों पर अधिक पड़ा है, इन मिसाइलों और ड्रोन पर नहीं. दुनिया ऐसे चक्रव्यूह में फंसी है कि कोई भी देश कब किसका साथ दे पता नहीं.

अपने-अपने पाले

एक तरह से विश्व फिर से दो ध्रुवीय बनता जा रहा है. अब एक तरफ इजराइल है तो एक तरफ. ये दोनों देश अपने आप में न कोई बड़ी ताकत हैं न हथियारों के मामले में बहुत सक्षम. लेकिन दोनों मध्य पूर्व और पश्चिम एशिया में चौधरी बनने को आकुल हैं. दोनों में से कोई भी व्यापार में भी अव्वल नहीं है. इजराइल के पास कुछ परमाणु बम हैं लेकिन ईरान के पास यह हथियार नहीं है. दोनों ही देश लंबे अरसे से आर्थिक प्रतिबंधों का शिकार रहे हैं. फिर भी एक दूसरे से पंगा लेने को आतुर हैं. ईरान मुस्लिम देश है और उसमें भी अल्पसंख्यक शियाओं का देश है. इजराइल एक यहूदी देश है. यहूदी अमेरिका के आर्थिक साम्राज्य की धुरी हैं. यहूदी न हों तो अमेरिका अपनी सारी संपन्नता खो देगा. पर उन यहूदियों का देश अमेरिका है, इजराइल को तो बस उनका मूक समर्थन है.

NATO की मजबूरी

अब चूंकि अमेरिका इजराइल के साथ है तो अधिकांश NATO देश भी इजराइल की मदद करेंगे, सिर्फ तुर्किये को छोड़ कर. पहले वह भी इजराइल के साथ था पर धीरे-धीरे वह इजराइल से दूर हो गया. दूसरी तरफ रूस, चीन, नॉर्थ कोरिया और पाकिस्तान ईरान का साथ देंगे. इसलिए युद्धक विमानों और सामग्री में ईरान को भी कमजोर नहीं समझना चाहिए. 13 जून को इजराइल ने ईरान के नतांज परमाणु ठिकाने को तहस-नहस किया तो ईरान ने भी ड्रोन फेंके और बैलेस्टिक मिसाइलें दाग दीं. इस तरह दोनों के बीच युद्ध की आशंका निर्मूल नहीं है. मगर एक सवाल अवश्य पैदा होता है कि इजराइल ने यह हवाई हमला उन देशों के बीच से गुजरता हुआ किया होगा जो जाहिर तौर पर ईरान के साथ हमदर्दी रखते हैं. इनमें सीरिया है और तुर्किये भी है.

रूस और चीन चुप बैठेंगे!

ईरान को छेड़ने का मतलब रूस और चीन से सीधे पंगा लेना है. इजराइल को भी पता है कि ईरान कोई फिलिस्तीन या लेबनान नहीं है. उसके पास सक्षम सेना है और हथियार भी. बस एटम बम उसके पास नहीं हैं. विश्व लॉबी में उसको सपोर्ट करने वाले देश भी काफी हैं. खुद भारत की विदेश नीति भी ईरान को अपना मित्र देश मानती आई है. एक तरह से एशिया के सभी ताकतवर देश इस संभावित युद्ध में इजराइल के साथ नहीं जाएंगे. ऐसे में इजराइल सिर्फ अमेरिका और योरोप के NATO देशों पर ही निर्भर रहेगा. अमेरिका पूरी ताक़त लगा कर भी रूस और यूक्रेन का युद्ध रोक नहीं पाया. पिछले सवा तीन साल से वहां युद्ध चल रहा है. उधर गाजा पट्टी पर इजराइली हमले बदस्तूर जारी हैं.

ईरान परमाणु बम बनाएगा!

दरअसल अमेरिका को शक है कि ईरान चोरी-छुपे परमाणु बम बनाने को प्रयत्नशील है. अभी तक सिर्फ रूस, अमेरिका, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस, नॉर्थ कोरिया, भारत, पाकिस्तान और इजराइल ही परमाणु शक्ति संपन्न देश हैं. पर अब ईरान भी इस दिशा में आतुर है. अगर ईरान एटम बम बना लेता है तो मध्य पूर्व में शक्ति संतुलन गड़बड़ा जाएगा. इस्लामिक देशों में ईरान सबसे शक्तिशाली देश बन जाएगा. यूं इस्लामिक देशों में पाकिस्तान के पास भी परमाणु बम है लेकिन मध्य पूर्व और खाड़ी के देश उसे अपना प्रतिद्वंदी नहीं मानते. क्योंकि आर्थिक रूप से वह बहुत पिछड़ा है. उसके पास प्राकृतिक संसाधनों का अभाव है.

पुणे: इंद्रायणी नदी पर बना पुल गिरा, 30 लोग बहे

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में रविवार (15 जून) की शाम बड़ा हादसा हो गया. इंद्रायणी नदी पर बने पुल का आधा हिस्सा टूटकर गिर गया. जब ब्रिज गिरा, तब मौके पर कई लोग उसी पुल पर मौजूद थे. ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि करीब 25 से 30 लोग नदी में बह गए हैं. दरअसल, पुणे के मावल में कुंड मॉल में पुल गिरने से कुछ पर्यटक डूब गए हैं.

बताया जा रहा है कि यह घटना दोपहर करीब 3.40 तीन बजे की है. पुल का जो हिस्सा गिरा, वहां पत्थर भी मौजूद थे. जो लोग पत्थर पर गिरे हैं, उन्हें गंभीर चोटें आई हैं. वहीं, कई लोग नदी की धारा में बह गए हैं. पिंपरी-चिंचवड़ पुलिस आयुक्तालय की तलेगांव दाभाड़े पुलिस मौके पर पहुंच गई है. कुंडमाला को पार करने के लिए एक पुल है, इस पार से उस पार जाने के लिए. यही पुल गिर गया है.

रविवार होने के चलते बड़ी संख्या में पर्यटक वहां मौजूद थे. कुछ लोग पुल पर खड़े थे और तस्वीरें खिंचवा रहे थे. कितने लोग डूबे हैं, यह अभी स्पष्ट नहीं है. प्रारंभिक जानकारी के अनुसार लगभग 20 से 25 लोग डूबे हैं. मौके पर करीब 200 पर्यटक मौजूद थे. हादसे के बाद सभी को मौके से हटाया गया है, ताकि रेस्क्यू ऑपरेशन में कोई दिक्कत न आए. कई सारे बच्चे भी अपनी फैमिली के साथ छुट्टी मनाने इस ब्रिज पर पहुंचे थे. यहां एक मंदिर भी है, जहां दर्शन करने के लिए भारी संख्या में लोग आते हैं. फिलहाल, एनडीआरएफ की दो टीमों को मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू ऑपरेशन में लगी हैं.

केदारनाथ से गुप्तकाशी आ रहा हेलिकॉप्टर क्रैश, सात की मौत

देहरादून। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग के गौरीकुंड क्षेत्र में बड़ा हादसा हुआ है। रविवार को सुबह-सुबह केदारनाथ रूट पर श्री केदारनाथ धाम से गुप्तकाशी जा रहा एक हेलिकॉप्टर गौरीकुंड के पास क्रैश हो गया। हेलिकॉप्टर में कुल सात लोग सवार थे। दर्दनाक हादसे में सातों लोगों की मौत हो गई, मृतकों में 23 महीने का बच्चा भी शामिल है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ टीमें भी पहुंच गई हैं। अगले आदेश तक हेलिकॉप्टर सेवा रोक दी गई है। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने केदारनाथ-गौरीकुंड के बीच हुए हेलीकॉप्टर हादसे के बाद सीएम आवास से वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वर्चुअल उच्च स्तरीय बैठक की। उच्च स्तरीय बैठक में राज्य के मुख्य सचिव, आपदा प्रबंधन सचिव, यूकाडा के सीईओ, गढ़वाल कमिश्नर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। दो दिन हेली सेवा के संचालन पर रोक लगा दी गई है। जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह आर्यन कंपनी का हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। गौरीकुंड क्षेत्र में यह हादसा हुआ है। घटना सुबह 5.30 बजे की बताई जा रही है। हेलिकॉप्टर के क्रैश होने की वजह खराब मौसम बताई जा रही है। हेलिकॉप्टर नोडल अधिकारी राहुल चौबे और जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने हेलिकॉप्टर के क्रैश होने की पुष्टि की है।

ब्रिटिश फाइटर जेट F-35 की तिरुवनंतपुरम में इमरजेंसी लैंडिंग

तिरुवनंतपुरम। ब्रिटिश नौसेना के F-35 फाइटर जेट की फ्यूल की कमी के कारण शनिवार रात केरल के तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई. यह जेट HMS प्रिंस ऑफ़ वेल्स कैरियर स्ट्राइक ग्रुप का हिस्सा है जो हाल ही में भारतीय नौसेना के साथ संयुक्त अभ्यास में शामिल था. खराब मौसम के कारण निर्धारित ईंधन भरने के स्थान पर लैंडिंग संभव नहीं हो पाई. F-35 फाइटर जेट की शनिवार देर रात केरल के तिरुवनंतपुरम इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई. इसके पीछे की वजह जेट में फ्यूल की कमी होना है. जैसे पायलट को पता चला कि टैंक मे फ्यूल की कमी है और किसी भी वक्त हादसे का शिकार हो सकता है. इसके बाद उसने नजदीकी एयरस्पेस से इमर्जेंसी लैंडिंग की परमिशन मांगी. इसके सबसे नजदीकी केरल के तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर लैंडिंग कराई गई।

राजस्थान के महेश NEET UG 2025 टॉपर

लड़कियों में दिल्ली की अविका अग्रवाल रहीं अव्वल

नई दिल्ली। नीट यूजी (NEET UG) परीक्षा का परिणाम घोषित हो गया है. इस परीक्षा में राजस्थान के महेश कुमार ने टॉप किया है. 12 लाख से ज्यादा छात्रों ने परीक्षा को क्वालिफाई किया है. बता दें कि 22 लाख से ज्यादा छात्रों ने परीक्षा दी थी. कैंडिडेट अपना स्कोरकार्ड भी नीट की ऑफिशियल वेबसाइट से ही डाउनलोड कर सकते हैं. टॉप 10 में 9 लड़के और एक लड़की है. वहीं टॉप 100 छात्रों को 99.9 परसेंटाइल मिले हैं.

एनटीए ने बताया कि सभी उम्मीदवार अब आधिकारिक एनटीए वेबसाइट पर अंतिम उत्तर कुंजी देख सकते हैं. एनटीए की ओर से नीट यूजी की परीक्षा 4 मई को आयोजित की गई थी. इस परीक्षा में 20 लाख से अधिक छात्रों ने भाग लिया था. रिजल्ट के साथ ही मेरिट लिस्ट, कट-ऑफ और स्कोरकार्ड भी जारी किए जाएंगे. राजस्थान के महेश कुमार ने 'राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा- स्नातक' (नीट-यूजी) में शीर्ष स्थान हासिल किया है, जबकि मध्य प्रदेश के उत्कर्ष अवधिया ने दूसरा स्थान हासिल किया है. राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने शनिवार को यह जानकारी दी. मेडिकल प्रवेश परीक्षा में शामिल कुल 22.09 लाख परीक्षार्थियों में से 12.36 लाख से अधिक अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए. हालांकि, यह संख्या पिछले वर्ष के 13.15 लाख उत्तीर्ण अभ्यर्थियों से कम है. पिछले वर्ष परीक्षार्थियों की संख्या भी 23.33 लाख से अधिक थी.

महाराष्ट्र के कृषांग जोशी और दिल्ली के मृणाल किशोर झा क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर रहे. लड़कियों में दिल्ली की अविका अग्रवाल शीर्ष पर रहीं और उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर पांचवां स्थान हासिल किया. अधिकतम उत्तीर्ण अभ्यर्थी उत्तर प्रदेश (1.70 लाख से अधिक) से हैं, इसके बाद महाराष्ट्र (1.25 लाख से अधिक) और राजस्थान (1.19 लाख से अधिक) का स्थान है. एनटीए हर साल मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए नीट आयोजित करता है. एमबीएसएस कोर्स के लिए कुल 1,08,000 सीटें उपलब्ध हैं जिनमें सरकारी अस्पतालों में लगभग 56,000 और निजी कॉलेजों में लगभग 52,000 सीटें हैं. दंत चिकित्सा, आयुर्वेद, यूनानी और सिद्ध में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए भी नीट परिणामों का उपयोग किया जाता है.

चोकर्स से चैम्पियंस तक का सफर...

साउथ अफ्रीका ने 27 साल बाद जीता ICC खिताब, बना टेस्ट क्रिकेट का बादशाह

लंदन। इंग्लैंड के ऐतिहासिक लॉर्ड्स के मैदान पर साउथ अफ्रीका की टीम ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (WTC 2025) के फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराकर इतिहास रच दिया है. दक्षिण अफ्रीका ने 282 रन का लक्ष्य हासिल किया। जीत के हीरो चौथी पारी में शतक जड़ने वाले एडन मार्करम रहे। इस जीत के साथ ही टेम्बा बावुमा की कप्तानी वाली साउथ अफ्रीका ने 27 साल बाद आईसीसी का खिताब अपने नाम किया है. इससे पहले 1998 में दक्षिण अफ्रीका ने विल्स इंटरनेशनल कप (अब चैम्पियंस ट्रॉफी) जीती थी. इसके बाद कई मौके आए जब साउथ अफ्रीका के पास आईसीसी खिताब जीतने का मौका था. लेकिन बार-बार साउथ अफ्रीका के हाथ से मौका छूटता गया. इसके चलते इस टीम के सामने चोकर्स का ठप्पा भी लगा. लेकिन आखिरकार 27 साल बाद इस टीम ने टेस्ट मुकाबले की बादशाहत अपने नाम कर आईसीसी खिताब के सूखे को भी खत्म कर दिया है. टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी पहली पारी में 212 रन बनाए थे. ब्यू वेबस्टर ने सबसे ज्यादा 72 रनों की पारी खेली, जिसमें 11 चौके शामिल रहे.

वहीं पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ के बल्ले से 66 रन निकले. स्मिथ ने अपनी पारी में 10 चौके लगाए. साउथ अफ्रीका की तरफ से तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा ने सबसे ज्यादा पांच विकेट झटके, जबकि खब्बू पेसर मार्को जानसेन को तीन सफलताएं हासिल हुई. स्पिन गेंदबाजों केशव महाराज और एडेन मार्करम ने भी एक-एक विकेट चटकाया.

क्यों कहा जाता था चोकर्स

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1992 वनडे वर्ल्ड कप सेमीफाइनल

रंगभेद के कारण 21 साल का निष्कासन झेलने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटी साउथ अफ्रीका के पास बेहतरीन तेज गेंदबाज और चुस्त फील्डर थे. लेकिन सेमीफाइनल में बारिश आई और उसे 7 गेंदों से 22 रनों की बजाय अब 1 गेंद में 22 रन बनाने का 'असंभव' संशोधित लक्ष्य मिला था. और इस तरह उसे हार मिली.

वेस्टइंडीज के खिलाफ 1996 वर्ल्ड कप क्वार्टर फाइनल

सभी ग्रुप मैच जीतने के बाद हैंसी क्रोनिये की टीम का पलड़ा भारी माना जा रहा था, लेकिन ब्रायन लारा की जबर्दस्त बल्लेबाजी के बाद रोजर हार्पर और जिमी एडम्स की फिरकी के जाल में साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज फंसते चले गए और 19 रनों से मैच हार गए.

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1999 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल

साउथ अफ्रीका के क्रिकेट इतिहास का सबसे निराशाजनक मैच शायद इसी मैच में हुआ. टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे लांस क्लूसनर को जिसने 'ट्रेजेडी किंग' बना दिया. जीत के लिए 214 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए साउथ अफ्रीका को आखिरी ओवर में 9 रन बनाने थे. आखिरी जोड़ी क्रीज पर थी. क्लूसनर ने पहली दो गेंद पर चौका जड़ा, लेकिन अगली गेंद पर एलन डोनाल्ड रन आउट हो गए और मैच टाई हो गया. सुपर सिक्स चरण में जीत दर्ज करने के कारण ऑस्ट्रेलिया फाइनल में पहुंचा.

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2007 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल

पहले बल्लेबाजी का साउथ अफ्रीका का फैसला गलत साबित हुआ. ग्रीम स्मिथ, हर्शल गिब्स , जैक्स कैलिस, एबी डिविलियर्स और मार्क बाउचर जैसे धुरंधर 149 के स्कोर पर आउट हो गए. ऑस्ट्रेलिया ने 20 ओवर बाकी रहते मैच जीता.

पाकिस्तान के खिलाफ 2009 टी20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल

साउथ अफ्रीका ने न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, भारत को हराकर अंतिम चार में जगह बनाई. लेकिन शाहिद आफरीदी की शानदार स्पिन गेंदबाजी के सामने टीम 150 रनों का लक्ष्य भी हासिल नहीं कर सकी.

सोना ₹1 लाख के पार, चांदी में आई उछाल

नई दिल्ली। इजरायल और ईरान के बढ़ते तनाव से पूरी दुनिया में एक बार फिर से युद्ध जैसे हालात बनते नजर आ रहे हैं। इसी वजह से निवेशकों का

रुझान एक बार फिर सोने और चांदी जैसे 'सेफ हैवन' ऑप्शन की तरफ गया है। इस तनाव के साथ-साथ अमेरिकी डॉलर की कमजोरी, खराब आर्थिक संकेत और फेडरल रिजर्व की दरों में कटौती की उम्मीदों ने भी सोने के दाम को ऊपर धकेला है। SS WealthStreet की संस्थापक सुगंधा सचदेवा का कहना है कि भू-राजनीतिक तनावों ने ग्लोबल रिस्क को काफी बढ़ा दिया है, जिससे सोने की चमक और भी तेज हो गई है। आंकड़ों की बात करें तो साल 2025 में अब तक सोने ने 31% का रिटर्न दिया है और लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा है। बीते 20 सालों में सोना ₹7,638 प्रति 10 ग्राम से बढ़कर ₹1,00,000 तक पहुंच चुका है, यानि लगभग 1,200% की तेजी। चांदी की बात करें तो यह भी ₹1 लाख प्रति किलो के ऊपर बनी हुई है और पिछले 20 वर्षों में करीब 668% की बढ़त दर्ज कर चुकी है।

WTC 2023-25 में रूट रहे टॉप स्कोरर, कमिंस टॉप गेंदबाज

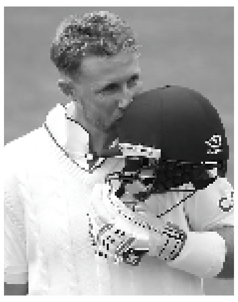

नई दिल्ली। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 चक्र खत्म हो गया. दो साल के इस चक्र में साउथ अफ्रीका विजई बनकर उभरा. बात करें इस चक्र में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी की तो वो इंग्लैंड के जो रूट हैं. वहीं इस चक्र में सबसे ज्यादा विकेट ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने लिए हैं. वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 के चक्र में सबसे ज्यादा रन जो रूट ने बनाए. रूट ने 22 मैचों की 40 पारियों में 54.66 की औसत से 1968 रन बनाए. रूट ने इस दौरान 7 अर्धशतक और 7 शतक लगाए. रूट का बेस्ट स्कोर 262 रहा. वहीं विकेट के मामले में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस सबसे आगे रहे. कमिंस ने 18 मैचों की 35 पारियों में 23.48 की औसत से 80 विकेट झटके. इस दौरान कमिंस ने 5 बार 5 विकेट हॉल लिया.

सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-5 बल्लेबाज

जो रूट - इंग्लैंड - 22 मैच - 1968 रन

यशस्वी जायसवाल - भारत - 19 मैच - 1798 रन

बेन डकेट - इंग्लैंड - 22 मैच - 1470 रन

हैरी ब्रूक - इंग्लैंड - 17 मैच - 1463 रन

उस्मान ख्वाजा - ऑस्ट्रेलिया - 20 मैच - 1428 रन

सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले टॉप-5 गेंदबाज

पैट कमिंस - ऑस्ट्रेलिया - 18 मैच - 80 विकेट

जसप्रीत बुमराह - भारत - 15 मैच - 77 विकेट

मिचेल स्टार्क - ऑस्ट्रेलिया - 19 मैच - 77 विकेट

नाथन लायन - ऑस्ट्रेलिया - 17 मैच - 66 विकेट

आर अश्विन - भारत - 14 मैच - 63 विकेट

सरफराज ने प्रेक्टिस मैच में जड़ा शतक

लंदन। भारत की ए टीम शुभमन गिल की कप्तानी वाली मुख्य टीम के साथ प्रैक्टिस मैच खेल रही है. दूसरे दिन इंडिया ए के लिए खेलते हुए सरफ़राज़ खान ने शानदार शतक जड़ा, इससे पहले भी उन्होंने इंग्लैंड में भी 92 रन की शानदार पारी खेली थी. हालांकि वह इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा नहीं है, लेकिन क्या अब उनकी एंट्री हो सकती है? भारत और भारत ए टीम के बीच इंट्रा-स्क्वाड प्रैक्टिस मैच केन्टी काउंटी ग्राउंड पर खेला जा रहा है. सरफराज खान ने जहां शतक जड़ा तो वहीं जसप्रीत बुमराह को एक भी विकेट नहीं मिला, मोहम्मद सिराज को 2 विकेट मिले लेकिन उन्होंने काफी रन लुटाए. जसप्रीत बुमराह प्रैक्टिस मैच के दूसरे दिन भी कोई विकेट नहीं ले सके. उन्होंने 5 की इकॉनमी से रन दिए. सिराज को 2 विकेट मिले, लेकिन उनका इकॉनमी 7 का रहा. प्रसिद्ध कृष्णा को 2 और नितीश कुमार रेड्डी को 1 विकेट मिला. दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक इंडिया ए टीम का स्कोर 266/6 था. साई सुदर्शन ने 38 रन और ईशान किशन ने 45 रनों की पारी खेली. ऋतुराज गायकवाड़ शून्य पर आउट हुए.

रैपिडो की फूड डिलीवरी सर्विस जल्द होगी शुरू

मुंबई। राइड-हेलिंग ऐप रैपिडो लोगों के बीच धीरे-धीरे काफी लोकप्रिय होती जा रही है. आजकल रोजाना लाखों लोग ऑफिस या पास की कई जगहों पर जाने के लिए रैपिडो का इस्तेमाल कर रहे हैं. वहीं दूसरी तरफ अब रैपिडो फूड डिलीवरी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए भी तैयार है. ऐसे में स्विगी-जोमैटो जैसे फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म को भारी टक्कर मिल सकती है. दरअसल, रैपिडो अपने फूड डिलीवरी चार्ज को स्विगी और जोमैटो के मुकाबले काफी कम रखने वाला है. जहां एक तरफ स्विगी- जोमैटो जैसे फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म रेस्टोरेंट से 16 से 30 प्रतिशत तक कमीशन लेते हैं. वहीं रैपिडो रेस्टोरेंट से 8 से 15 प्रतिशत तक कमीशन ले सकता है. नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (NRAI) के साथ रैपिडो की साझेदारी से रैपिडो को इस क्षेत्र में नई पहचान मिल सकती है.

8वां वेतन आयोग जनवरी 2026 में नहीं होगा लागू

नई दिल्ली। देश भर में केंद्र सरकार के लगभग 1 करोड़ कर्मचारी और पेंशनभोगी इस वक्त बड़ी बेसब्री से 8वें वेतन आयोग (8th Pay Commission) की घोषणा का इंतज़ार कर रहे हैं. इस आयोग के ज़रिए उनकी सैलरी, पेंशन और भत्तों में बड़ा बदलाव तय होगा. लेकिन सबसे बड़ा सवाल ये है कि क्या ये आयोग जनवरी 2026 से लागू हो पाएगा? The Economic Times की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 8वें वेतन आयोग की शुरुआत तय समय से टल सकती है. दरअसल, 7वां वेतन आयोग फरवरी 2014 में बना था, लेकिन इसकी सिफारिशें जनवरी 2016 में लागू की गई थीं. अब जून 2025 तक भी अगर नए आयोग के Terms of Reference (ToR) यानी अधिकार और दिशा तय नहीं हुए हैं, तो जनवरी 2026 तक इसके लागू होने की संभावना बेहद कम दिख रही है. रिपोर्ट के मुताबिक, इसका कार्यान्वयन शायद 2026 के अंत या 2027 की शुरुआत तक खिसक सकता है.

सैलरी स्ट्रक्चर में क्या बदलाव संभव है?

अब तक के वेतन आयोगों में सरकार ने वेतन तय करने के कई अलग-अलग तरीकों को अपनाया है. 6वें वेतन आयोग ने पे-बैंड और ग्रेड पे की शुरुआत की थी, जिससे सैलरी सिस्टम थोड़ा आसान बना. 7वें वेतन आयोग ने फिर से खेल बदल दिया. इसमें 24-लेवल का पे मैट्रिक्स पेश किया गया, जिससे हर लेवल की सैलरी एक खास तरीके से तय होती है. इसमें फिटमेंट फैक्टर 2.57 रखा गया था, जो बेसिक सैलरी में बढ़ोतरी का मुख्य आधार होता है.

8वें वेतन आयोग से क्या उम्मीद?

हालांकि सरकार की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन एक्सपर्ट्स का मानना है कि फिटमेंट फैक्टर 2.5 से 2.8 के बीच हो सकता है. इसका मतलब ये होगा कि मौजूदा बेसिक पे में उसी अनुपात से बढ़ोतरी तय की जाएगी. लेकिन जब तक आयोग का गठन ही नहीं होता, तब तक कुछ भी कहना महज़ अटकलें होंगी.

कर्मचारियों को करना होगा और इंतज़ार?

ऐसे में जब 8वें वेतन आयोग की रूपरेखा तक तैयार नहीं हुई है, तो जनवरी 2026 से इसका लागू होना मुश्किल लगता है. सरकार की ओर से कोई ठोस अपडेट नहीं आया है, लेकिन चर्चा ये ज़रूर है कि कर्मचारी संगठनों और पेंशनर्स की मांगें लगातार सरकार तक पहुंच रही हैं. अब देखना ये होगा कि सरकार कब इस दिशा में अगला कदम उठाती है.

साहस है तो ED 150 करोड़ के भाजपा कार्यालय की करे जांच: कांग्रेस

कांग्रेस ने जारी किया सुकमा राजीव भवन निर्माण के व्यय का ब्योरा

शहर सत्ता/रायपुर। कांग्रेस ने अपने सुकमा जिला कांग्रेस के भवन निर्माण के खर्च का ब्योरा सार्वजनिक किया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि सुकमा जिला कांग्रेस भवन का पूरा खर्च प्रदेश कांग्रेस ने किया है, उसके निर्माण में लगे एक-एक रूपये का पूरा हिसाब और भुगतान चेक के माध्यम से किया गया है। प्रदेश कांग्रेस ने इस पूरे खर्च का बकायदा ऑडिट भी करवाया है। ईडी ने जब सुकमा जिला कांग्रेस के निर्माण के संबंध में जानकारी मांगी थी उनको भी पूरी जानकारी लिखित में उपलब्ध कराया गया था। उसके बाद भी ईडी ने विद्वेषपूर्वक कांग्रेस के जिला कार्यालय को अटैच किया है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने बताया कि सुकमा जिला कांग्रेस भवन के निर्माण की कुल लागत 65,84,444 रूपया है, जिसमें भूमि आबंटन के लिए सरकार के पास भू-भाटक के रूप में 1242618 रू. चालान के माध्यम से चालान क्र. क्यू 639 से जमा किया गया। भवन निर्माण के लिए लगने वाली सामग्री का भुगतान अनीश हार्डवेयर एवं जनरल सप्लायर को चेक दिनांक 07.06.2021 को यूको बैंक चेक क्र. 000012 से 12,00,000 रूपया, चेक दिनांक 21.06.2021 को यूको बैंक चेक क्र. 000015 से 15,48,080 रूपया, चेक दिनांक 23.07.2021 को यूको बैंक चेक क्र. 000020 से 15,38,025 रुपया भुगतान किया गया। ठेकेदार संग्राम दास उर्फ विक्रम पाण्डेय को चेक दिनांक 07.08.2021 को यूको बैंक चेक क्र. 000024 से 993600 रू. दिया गया। भुगतान के पूर्व प्रदेश कांग्रेस ने टीडीएस काटा है जिसकी पूरी जानकारी कांग्रेस के बही खाते में है। सुकमा भवन निर्माण का पूरा खर्च पारदर्शी है जिसे कांग्रेस ने अपने कार्यकर्ताओं के सहयोग से बनाया है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि निर्माण खर्चे का पूरा ब्योरा देने के बाद भी कांग्रेस के कार्यालय को राजनैतिक विद्वेष के कारण अटैच किया गया है। इसके निर्माण के लागत के आय का पूरा हिसाब कांग्रेस के पास है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस के भवन का खर्च सार्वजनिक है। ईडी में साहस है तो वह भाजपा के 150 करोड़ रू. की लागत से बने भाजपा कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे का रुपया कहां से आया इसकी जांच करे? कुशाभाऊ ठाकरे परिसर फाईव स्टार होटल की तर्ज पर बनाया गया है। उसकी लागत कहां से आई ईडी जांच करेगी? रायपुर में ही भाजपा के कार्यालय एकात्म परिसर की जमीन राजनैतिक दल के कार्यालय के लिये भाजपा ने 1 रू. में हासिल किया था। एकात्म परिसर को व्यवसायिक काम्प्लेक्स में तब्दील कर दिया गया, जहां से 1.5 करोड़ रूपया किराया भाजपा वसूलती है, ईडी उसकी जांच करेगी? भाजपा के जिला कार्यालयों की लागत का भी ईडी हिसाब मांगेगी? भाजपा के पितृ संगठन आरएसएस ने 500 करोड़ की लागत से दिल्ली में अपना दफ्तर बनाया है, इस रकम के स्रोत की ईडी जांच क्यों नहीं करती है? ईडी ने भाजपा के अनुषांगिक संगठन की भांति काम कर रही है। कांग्रेस कार्यालय की जांच हो सकती है तो भाजपा के कार्यालयों की जांच क्यों नहीं होना चाहिए?

सुकमा कांग्रेस भवन निर्माण में खर्च का विवरण

1. नजूल भूमि का शासकीय मद में भारतीय स्टेट बैंक, सुकमा में चालान के माध्यम से भुगतान - चेक दिनांक 13.08.20 यूको बैंक, रायपुर चेक, चालान क्यू 639, बिल राशि 1242618, चेक राशि 1242618, चालान क्यू 637, बिल राशि 62131, चेक राशि 62131।
2. अनीश हार्डवेयर एवं जनरल सप्लायर - चेक दिनांक 07.06.21, यूको बैंक रायपुर चेक क्र. 000012, 1200000, टीडीएस 9720, चेक राशि 1190280।
3. अनीश हार्डवेयर एवं जनरल सप्लायर - चेक दिनांक 21.06.21, यूको बैंक रायपुर चेक क्र. 000015, बिल राशि 1548070, टीडीएस 12995, चेक राशि 1535115।
4. अनीश हार्डवेयर एवं जनरल सप्लायर - चेक दिनांक 23.07.21, यूको बैंक रायपुर चेक क्र. 000020, टीडीएस 12466, चेक राशि 1525559।
5. संग्राम दास-उर्फ विक्रम पाण्डेय - चेक दिनांक 07.08.21, यूको बैंक रायपुर चेक क्र. 000024, बिल राशि 993600, टीडीएस 9936, चेक राशि 990064।

कुल बिल राशि 6584444, टीडीएस 45117,
चेक राशि 6539367 है।

ईडी की कार्रवाई साक्ष्य और तथ्यों के आधार पर - डिप्टी सीएम साव

पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा की संपत्ति अटैच

शहर सत्ता/रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज रायपुर निवास में पत्रकारों से चर्चा के दौरान कोंटा में ईडी की कार्यवाही पर कहा कि, छत्तीसगढ़ में पिछली कांग्रेस के सरकार द्वारा क्रिमिनल सिंडिकेट बनाकर दो हजार करोड़ रुपए से अधिक का शराब घोटाला किया गया। इस मामले में ईडी जांच कर रही है। जांच में साक्ष्य और तथ्य पाए जाने पर कार्रवाई की गई है। आगे उन्होंने कहा कि, शराब घोटाले से संबंधित जितनी प्रापर्टी जांच में सामने आ रही है, ईडी उसे अटैच कर रही है। कांग्रेस के आरोप पर श्री साव ने कहा कि, हर कार्यवाही के बाद कांग्रेस अनर्गल बातें करती है, वास्तविकता यही है कि कांग्रेस कार्यकाल में करोड़ों रुपए का शराब घोटाला हुआ है।

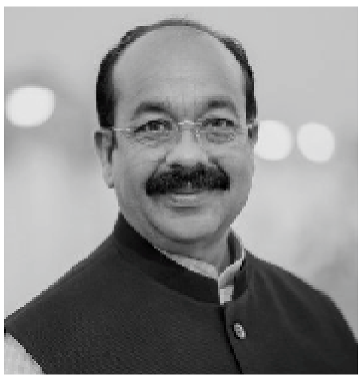

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने रायगढ़ और अंबिकापुर में बुलडोजर कार्रवाई पर कहा कि, सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा होने पर प्रशासन नियमानुसार नोटिस देकर अवसर देती है, इसके बाद भी यदि अतिक्रमण नहीं हटता तो प्रशासन के पास कार्रवाई के अलावा कोई रास्ता नहीं बचता है। यह अंतिम विकल्प है। श्री साव ने शाला प्रवेश उत्सव पर कहा कि, साय सरकार शिक्षा गुणवत्ता बढ़ाने के लिए कार्य कर रही है। फिलहाल युक्तियुक्तकरण के तहत स्कूलों में शिक्षकों की पर्याप्त व्यवस्था करने की तैयारी की जा रही है। मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान प्रारंभ किया है। इससे ड्रॉप आउट कम करने का प्रयास किया जा रहा है। शाला प्रवेश उत्सव के माध्यम से जन जागरूकता शुरू किया है। सरकार का उद्देश्य प्रत्येक बालक स्कूल आकर पढ़ाई करें, कोई शिक्षा के अधिकार से वंचित ना रहे।

सरकार सभी जांच एजेंसियों को अपने इशारे पर चला रही: कांग्रेस

भाजपा सरकार के इशारे पर, प्रवर्तन निदेशालय ईडी द्वारा जिला मुख्यालय सुकमा स्थित राजीव भवन को अटैच किये जाने के खिलाफ कांग्रेस ने प्रदेश के सभी जिलों में भाजपा सरकार एवं प्रवर्तन निदेशालय ईडी का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया। ईडी भारतीय जनता पार्टी के एजेंट की भांति काम कर रही है। भाजपा राज्य में विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए ईडी का दुरुपयोग कर रही है। ईडी के अधिकारी भी अपने शासकीय कर्मचारी होने की मर्यादा को भूलकर भाजपा कार्यकर्ता की भांति काम कर रही है। कांग्रेस इसका विरोध करती है तथा ईडी के कार्यप्रणाली के विरोध में पूरे प्रदेश में ईडी का पुतला दहन किया गया। रायपुर, बिलासपुर, बस्तर, बलौदाबाजार, गरियाबंद, महासमुंद, धमतरी, दुर्ग शहर, दुर्ग ग्रामीण, भिलाई, बेमेतरा, राजनांदगांव शहर, राजनांदगांव ग्रामीण, कवर्धा, जगदलपुर शहर, सुकमा, नारायणपुर, कोण्डगांव, बीजापुर, कांकेर, दंतेवाड़ा, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, मुंगेली, कोरबा शहर, कोरबा ग्रामीण, जांजगीर चांपा, रायगढ़ शहर, रायगढ़ ग्रामीण, जशपुर, सरगुजा, बलरामपुर, कोरिया में ईडी का पुतला फूंका गया।

आरोप- भाजपा शासन में अवैध और मिलावटी शराब बिक रही

शहर सत्ता/रायपुर। सरकारी शराब दुकानों में पानी मिलाकर शराब बेचने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार में सरकारी दुकानों में पानी मिलाकर शराब बेची जा रही। गली-गली अवैध शराब की बिक्री हो रही है। ये सब भाजपा की शराब से काली कमाई का प्रमाण है। शराब में पानी मिलाकर बेची जा रही, शराब की कमाई सीधा भाजपा कार्यालय पहुँच रहा है। राजनांदगांव जिला में अवैध शराब की बिक्री के कारण सरकारी दुकानों को हर माह 15 करोड़ रु. से ज्यादा की हानि हो रही है। रायपुर में ब्रांडेड शराब की अवैध बिक्री खुलेआम हो रही है। पूरे प्रदेश में शराब कोचियों का राज चल रहा है। शराब के अवैध कारोबार को भाजपा से जुड़े लोगों का संरक्षण है।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि प्रदेश के 751 से अधिक सरकारी शराब दुकानों में एक नंबर, दो और मिलावटी शराब मिल रहे हैं। ओवर रेट शराब बिक रहा है, शराब बिक्री के समय खत्म होने के बाद भी आधा काउंटर खोलकर शराब दिया जा रहा है, सरकार की मंशा नशाखोरी को रोकने की नहीं है, नशाखोरी के चलते पूरे प्रदेश में चाकूबाजी, लूटपाट, बलात्कार, हत्या जैसी घटनाएं बढ़ी है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि प्रदेश के सभी सरकारी शराब दुकानों की जांच की जाए, जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कार्यवाही हो। अवैध शराब की बिक्री कड़ाई से रोकी जाए। अवैध शराब रोकने सीमाओं पर चौकसी की जाए।

शऱाब बेचने में गोलमाल करने वाला अधिकारी निलंबित

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन ने शासकीय कार्य में अनियमितता, तय दर से अधिक मूल्य पर मदिरा विक्रय, स्टॉक में गंभीर कमी और बिक्री राशि में लाखों रुपये की गड़बड़ी के मद्देनज़र महासमुंद जिले के प्रभारी जिला आबकारी अधिकारी निधीश कुमार कोष्टी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में कोष्टी का मुख्यालय आबकारी आयुक्त कार्यालय, नवा रायपुर अटल नगर में निर्धारित किया गया है।

गौरतलब है कि 29 मई 2025 को आबकारी विभाग मुख्यालय रायपुर के एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा महासमुंद जिले के घोड़ारी स्थित कम्पोजिट मदिरा दुकान का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण से पूर्व एक छद्म ग्राहक को 500-500 रूपए की कुल 4 नोट यानि कुल 2000 रूपए देकर मदिरा खरीदने भेजा गया। निर्धारित मूल्य 1760 रूपए के स्थान पर विक्रयकर्ता द्वारा 2000 रूपए में मदिरा बेचा गया। पूछताछ में विक्रयकर्ता ने अधिक मूल्य पर विक्रय की बात स्वीकार की। स्टॉक के भौतिक सत्यापन में 1886 नग देशी मदिरा मसाला की कमी और एक लाख 88 हजार रूपए की आर्थिक गड़बड़ी पाई गई।

चरण पादुका योजना पर सीएम बोले- मोदी की एक और गारंटी होगी पूरी

पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा-ये कमीशन पादुका योजना है

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में बंद हुई चरण पादुका योजना फिर से शुरू होगी। सीएम विष्णु देव साय ने कहा कि बहुत जल्द मोदी की एक और गारंटी पूरी होगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पिछले 16-17 महीने में मोदी की गारंटी के तहत छत्तीसगढ़ की जनता से हमारी सरकार ने जो भी वादे किए गए थे, उसे पूरा किया गया है। उसमें से एक और वादा चरण पादुका योजना पूरा होने जा रहा है। गर्मी के दिनों में तेंदूपत्ता तोड़ने लोग जंगलों में जाते हैं, उनके पैरों में जूते-चप्पल भी नहीं होते है। जिसके कारण कई बार वे घटना के शिकार भी हो जाते हैं। इससे बचने के लिए हमारी सरकार ने चरण पादुका योजना की शुरुआत की थी, लेकिन बीच में कांग्रेस की सरकार में इसे बंद कर दिया था। अब उसे फिर से शुरू कर रहे हैं।

चरण पादुका नहीं ये कमीशन पादुका- बैज

सरकार द्वारा फिर से इस योजना को शुरू करने को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि चरण पादुका योजना भारतीय जनता पार्टी की सबसे पसंदीदा योजना बन गई है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि तेंदूपत्ता तोड़ने वाले गरीब आदिवासियों को जो जूता बांटा जाता है उसमें विभाग और सरकार को तगड़ा कमीशन मिलता है। यह देखा गया है कि गरीब आदिवासियों को जूता दिया जाता है, उसमें एक पैर में 8 नंबर का जूता तो दूसरे पैर में 9 नंबर का जूता मिलता है। प्रदेश में 15 साल में हमने कमीशन का खेल देखा है। जब हमारी सरकार आई तो हम लोगों ने इस योजना को सीधा बंद कर दिया था और बोनस के रूप में हितग्राहियों के खाते में बोनस के रूप में पैसा दिया गया। दीपक बैज ने कहा कि सरकार ने कमीशन खाने के लिए फिर इस योजना को शुरू कर रही है। इसका मतलब कुल मिलकर आदिवासियों के नाम से एक मोटी गाढ़ी कमाई को लूटने का जरिया इस सरकार ने बना लिया है और उसके लिए फिर से नई दुकान खोल दी है।

बस्तर की बदली तस्वीर हिंसा ख़त्म बसने लगी खुशियां

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से आत्मसमर्पित नक्सलियों और नक्सल पीड़ितों की नई जिंदगी की शुरुआत

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में, जहां कभी गोलियों की गूंज सुनाई देती थीं, वहां अब हर जगह खुशी और उल्लास की गूंज सुनाई देती है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन और छत्तीसगढ़ सरकार की नक्सल पुनर्वास नीति व नियद नेल्लानार योजना के प्रभाव से माओवादी हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटे युवक-युवतियों और नक्सल पीड़ितों ने नई जिंदगी की शुरुआत की है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत बस्तर संभाग में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह इस बदलाव के साक्षी बने हैं। सुकमा के मिनी स्टेडियम में दो आत्मसमर्पित नक्सली जोड़ों मौसम महेश-हेमला मुन्नी और मड़कम पाण्डू-रव्वा भीमे ने वैदिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह रचाया। ये चारों जून 2024 में नक्सल संगठन छोड़कर आत्मसमर्पण कर चुके थे। मुख्यमंत्री ने नवदंपतियों को आशीर्वाद दिया और सुकमा जिले को 206 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात भी दी। नवदंपतियों ने बताया कि सरकार की जनहितैषी नीतियों और पुनर्वास योजनाओं ने उन्हें हिंसा का रास्ता छोड़कर शांति और विकास की राह अपनाने के लिए प्रेरित किया।

दंतेवाड़ा में 220 जोड़ों का सामूहिक विवाह

दंतेवाड़ा के मेंढका डोबरा में मंदिर परिसर में 20 दिसंबर 2024 को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 220 जोड़ों ने परिणय सूत्र में बंधकर गृहस्थ जीवन शुरू किया था। इनमें पूवर्ती गांव की एक नक्सल पीड़िता और वहां तैनात जवान का जोड़ा भी शामिल था। नियद नेल्लानार योजना के तहत धुरली गांव के दो जोड़ों सीमा भास्कर-रमेश भास्कर और सुंदरी तेलाम-धन्नू कुंजाम ने भी विवाह रचाया। सभी नवदंपतियों के बैंक खातों में 35 हजार रुपये की राशि हस्तांतरित की गई।

निर्धन परिवारों का सहारा

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना ने बस्तर के निर्धन परिवारों को नया जीवन दिया है। योजना के तहत प्रत्येक जोड़े को 50 हजार रुपये की सहायता दी जाती है, जिसमें 35 हजार रुपये सीधे वधु के खाते में हस्तांतरित होते हैं। श्री विष्णु देव साय सरकार के कार्यकाल में अब तक 15 हजार से अधिक जोड़ों का विवाह इस योजना के तहत संपन्न हो चुका है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार की नक्सल विरोधी कार्रवाइयों और कल्याणकारी योजनाओं ने बस्तर के ग्रामीणों का हौसला बढ़ाया है। आत्मसमर्पित नक्सलियों को रोजगार, आवास और आर्थिक सहायता के माध्यम से सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिल रहा है।

सुशासन एक्सप्रेस से मौके पर बन रहा आयुष्मान, श्रम कार्ड

शहर सत्ता/रायपुर। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में शासन की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने और आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर "सुशासन एक्सप्रेस" की शुरुआत की गई है। इस अनूठी पहल अब आम लोगों को राहत मिल रही है। सुशासन एक्सप्रेस प्रतिदिन जिले में प्रत्येक ब्लॉक के दो गांवों का भ्रमण कर रही है, जहां पर आमजन से जुड़ी महत्वपूर्ण सेवाएं मौके पर ही उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस मोबाइल सेवा के माध्यम से आधार कार्ड अपडेट, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, ऋण पुस्तिका, लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस, श्रम कार्ड और नरेगा जॉब कार्ड जैसे कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। सुशासन एक्सप्रेस में संबंधित विभागों के अधिकारी रहते हैं और ग्रामीणों की समस्याएं सुनते हैं और समाधान प्रदान करते हैं। सुशासन एक्सप्रेस को ग्रामीणों से अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है और यह पहल शासन और जनता के बीच की दूरी को कम कर रही है।

आधारकार्ड दिखाने से मिलेगी निःशुल्क डायलिसिस सुविधा

शहर सत्ता/रायपुर। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम के तहत निःशुल्क डायलिसिस सेवा दी जा रही है। जिसका नाम जीवनधारा है। इस योजना का उद्देश्य सभी जिलों में निःशुल्क डायलिसिस सुविधा उपलब्ध कराना है। इसकी सेवा एस्काग संजीवनी प्राईवेट लिमिटेड द्वारा दिया जा जाएगा। यह सेवा निःशुल्क है जिसके लिए मात्र आधारकार्ड की आवश्यकता होगी। इस योजना के राज्य स्तरीय नोडल अधिकारी डॉ. कमलेश जैन हैं।

इस योजना के तहत जिला अस्पताल रायपुर, बिलासपुर, कोरबा, जशपुर, अंबिकापुर, सूरजपुर, कोरिया, महासमुंद, दुर्ग, कांकेर, राजनांदगांव, जगदलपुर, जांजगीर-चांपा, गरियाबंद, रायगढ़, धमतरी, देवभोग, बालोद, कबीरधाम, मुंगेली, बलौदाबाजार, बीजापुर, बलरामपुर, कोण्डागांव, नारायणपुर, बेमेतरा, सुकमा, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, सारंगढ़, खैरागढ़, मानपुर सीएससी सहित सभी जिलों के अस्पतालों में यह सेवा संचालित की जा रही है। 25 अप्रैल 2022 से अभी तक जिला अस्पताल में डायलिसिस मशीन और डायलिसिस प्रक्रिया शुरू हैं, जिससे अभी तक 19 हजार 692 सेशन हो चुकें हैं। अधिक जानकारी के लिए 75068-18793 और टोल फ्री नंबर 18001022294 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

पत्रकारिता विवि में विविध मीडिया कोर्स में प्रवेश तिथि निर्धारित

शहर सत्ता/रायपुर। नये अकादमिक सत्र में कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं के लिए बुनियादी आवश्यकता एवं सुविधाओं के लिए विभागाध्यक्षों की मासिक समीक्षा बैठक शनिवार 14 जून 2025 को आयोजित की गई। रायपुर के संभागायुक्त एवं कुलपति महादेव कावरे ने कहा कि मीडिया शिक्षा में असीम संभावनाएं हैं। छत्तीसगढ़ के शहरी एवं ग्रामीण अंचल के छात्र-छात्राओं को न्यूनतम शुल्क में पत्रकारिता की उत्कृष्ट शिक्षा की सुविधा कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर में है। कुलपति महादेव कावरे ने छात्रों के पाठ्यक्रम मार्गदर्शन एवं कैरियर गाइडेंस के लिए हेल्प डेस्क स्थापित करने निर्देशित किया तथा मीडिया कोर्स के प्रभावी प्रचार-प्रसार के लिए सोशल मीडिया के उपयोग को प्रोत्साहित करने पर बल दिया। विश्वविद्यालय के अध्ययन संकाय एवं संबंद्ध महाविद्यालयों में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीजी डिप्लोमा के विविध मीडिया कोर्स में प्रवेश के लिए वेबसाईट www.ktujm.ac.in पर ऑनलाइन आवेदन पत्र विद्यार्थी अपलोड कर सकते हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रमों में 40 सीटें हैं।

राज्य में सीबीजी प्लांट स्थापना के लिए 100 करोड़ का निवेश

- नगर पालिक रायपुर, सीबीडीए और बीपीसीएल के बीच एमओयू

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ को शुद्ध हरित राज्य की दिशा में ले जाने के उद्देश्य से आज एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया। राज्य सरकार की सतत योजना के अंतर्गत कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी सीबीडीए सुमित सरकार, हेड बायोफ्यूल्स बीपीसीएल मुम्बई अनिल कुमार पी., नगर निगम आयुक्त श्री विश्वदीप की उपस्थिति में नगर पालिक निगम रायपुर, छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण (सीबीडीए) और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के बीच त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के अंतर्गत रायपुर के रावाभाठा क्षेत्र में प्रतिदिन 100 से 150 टन मिश्रित ठोस अपशिष्ट एमएसडब्ल्यू से कंप्रेस्ड बायोगैस सीबीजी उत्पादन हेतु संयंत्र की स्थापना की जाएगी।

इस परियोजना की आधारशिला पहले ही 13 मार्च 2024 को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव की उपस्थिति में हुए एमओयू के माध्यम से रखी जा चुकी थी। अब इसके ठोस क्रियान्वयन की दिशा में कदम बढ़ाते हुए यह समझौता किया गया है। बीपीसीएल इस संयंत्र के निर्माण हेतु 100 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। संयंत्र के निर्माण और संचालन के दौरान प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 30 हजार मानव दिवस का स्थायी रोजगार उपलब्ध होगा। इसके अतिरिक्त, निर्माण चरण में भी स्थानीय लोगों को बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर मिलेंगे।

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के तहत रोजगार के खुले द्वार, आवाजाही सुगम

नवा रायपुर में महिलाएं दौड़ा रही पिंक ई-रिक्शा

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ रोजगार के अवसर भी तैयार कर रही है। उसी दिशा में एक कदम नवा रायपुर में भी महिलाओं को पिंक ई-रिक्शा सौंपकर उनकी तरक्की की राहें आसान कर दी है। नवा रायपुर के विकास में अब महिलाएं भी सहभागिता निभाएगी। यहां रेलवे स्टेशन खुलने के बाद से विकास के द्वार भी खुल गए है। व्यापारिक गतिविधियां भी तेजी के साथ संचालित होगी। इसके लिए महिलाओं को पिंक ई-रिक्शा सौंपा गया है।

नवा रायपुर में अब एयरपोर्ट से सीबीडी रेलवे स्टेशन या जंगल सफारी, मंत्रालय, पुरखौती मुक्तांगन, शासकीय विभागों के दफ्तर से लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम जाना बेहद आसान हो गया है। एनआरडीए ने ग्रामीण महिलाओं के हाथों में पिंक ई-रिक्शा की चाबी सौंपी है। इससे महिलाओं को स्वरोजगार के साथ आर्थिक तरक्की भी आसान हो जाएगी। नवा रायपुर में शानदार सड़कें निर्माण की गई हैं, लेकिन छोटी दूरियों और प्रमुख स्थानों तक आवाजाही में नागरिकों को पहले दिक्कतें होती थी। पहले बस के बाद आवाजाही के सुगम साधन नहीं थी, लेकिन अब सुगम साधन बन चुके है। पिंक ई-रिक्शा काफी मददगार साबित होगा।

बिहान की दीदियों के हाथों में सौंपी गई कमान

बिहान छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत अभनपुर और आरंग ब्लॉक के गांवों तूता, केंद्री, निमोरा, कुरूं, चेरिया और बेंद्री की 40 महिलाओं को 40 इलेक्ट्रिक ऑटो मुफ्त में सौंपे गए हैं। यह पहल न केवल नया रायपुर में यात्रा को सुगम बनाएगी, बल्कि ग्रामीण महिलाओं को रोजगार और आत्मनिर्भरता भी देगी। इनका ऑनलाइन बुकिंग प्लेटफॉर्म रेपिडो से टाई-अप किया गया है, जिससे यात्री मोबाइल ऐप से ऑटो बुक कर सकते हैं। सेवा की दरें भी किफायती हैं और ऑटो पूरी तरह इलेक्ट्रिक हैं, जिससे पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी भी निभाई जा रही है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किया शुभारंभ

इस योजना का उद्घाटन 11 अप्रैल 2025 को राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा किया गया। उनके साथ वित्त एवं आवास मंत्री ओपी चौधरी भी उपस्थित हुए। उन्होंने इसे महिला सशक्तिकरण और स्मार्ट सिटी के समावेशी विकास की दिशा में एक अहम पहल बताया।

उठने लगी छत्तीसगढ़ फिल्म सेंसर बोर्ड की मांग

फ़िल्म मेकर्स की माँग तेज, सेंसर प्रक्रिया में हो रही देरी से तंग आए निर्माता

CBFC के 9 क्षेत्रीय कार्यालय

कार्यालय	क्षेत्र
मुंबई	महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, गोवा, छत्तीसगढ़, दमन-दीव
चेन्नई	तमिलनाडु, पुडुचेरी
कोलकाता	पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड
हैदराबाद	आंध्र प्रदेश, तेलंगाना
बैंगलोर	कर्नाटक
तिरुवनंतपुरम	केरल, लक्षद्वीप
दिल्ली	उत्तर भारत के 8 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश
कटक	ओडिशा
गुवाहाटी	पूरा पूर्वोत्तर भारत

शहरसत्ता के कला समीक्षक पूरन किरी की प्रस्तुति

छत्तीसगढ़ को फिलहाल मुंबई ज़ोन में रखा गया है, जिससे न सिर्फ समय बल्कि पैसे की भी बर्बादी होती है। अब जब राज्य की फिल्म इंडस्ट्री अपनी पहचान बना रही है, तो एक स्थानीय सेंसर बोर्ड ज़रूरी और जायज़ मांग बन चुकी है।

शहरसत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ में तेजी से बढ़ती फिल्म इंडस्ट्री अब एक अहम मांग के साथ सामने आई है। राज्य में स्थायी सेंसर बोर्ड (CBFC कार्यालय) की स्थापना की आवश्यकता महसूस की जा रही है। यह मांग ऐसे समय पर उठी है जब स्थानीय निर्माताओं को सेंसर प्रक्रिया में लगातार देरी का सामना करना पड़ रहा है, जिससे फ़िल्म की रिलीज़ तक संकट में आ जाती है। आर्थिक और व्यावसायिक क्षति के साथ वक्त की बर्बादी का सामना कर रहे छत्तीसगढ़ फिल्म इंडस्ट्रीज के फिल्म निर्माता पहले ही बहुत नुकसान उठा चुके हैं।

निर्माताओं का कहना है कि लोग अक्सर पूछते हैं, "आख़िरी समय में ही सेंसर के लिए क्यों दौड़ते हो? पहले क्यों नहीं करवा लेते?" लेकिन हकीकत इससे उलट है। सेंसर प्रक्रिया 2 महीने पहले से ही शुरू हो जाती है, जिसमें सबसे ज़रूरी होता है सेंसर स्क्रिप्ट तैयार करना, जो कम से कम एक महीने का समय लेती है। फिल्म रिलीज़ से लगभग एक महीने पहले ही इसे सेंसर में जमा कर दिया जाता है,लेकिन इतनी फिल्मों की लाइन होती है कि स्क्रीनिंग तक नंबर आते-आते महीने भर का समय लग जाता है।

यही नहीं, छत्तीसगढ़ की फिल्में "मुंबई ज़ोन" में आती हैं, जिससे समय और संसाधनों की खपत और बढ़ जाती है। कई निर्माता इस देरी से बचने के लिए ओडिशा (कटक ज़ोन) से सेंसर करवा रहे हैं, जहाँ प्रक्रिया अपेक्षाकृत तेज़ है। अब सवाल उठता है – जब छत्तीसगढ़ में सालाना 30 से अधिक फिल्मों का निर्माण हो रहा है, तो क्यों न यहां का अपना सेंसर कार्यालय हो? देश में पहले से ही CBFC के 9 क्षेत्रीय कार्यालय हैं।

फिल्म निर्माताओं की सरकार से मांग

फिल्ममेकर्स और प्रोड्यूसर्स अब सरकार से अपील कर रहे हैं कि छत्तीसगढ़ को उसका स्वतंत्र सेंसर ज़ोन मिले ताकि लोकल फिल्में समय पर रिलीज़ हों और सिनेमा संस्कृति को नया बल मिले। एसोसिएशन ने छत्तीसगढ़ के सभी 11 सांसदों से अपील की है कि छत्तीसगढ़ में सेंसर बोर्ड के लिए उच्च स्तरीय प्रयास करें।

प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन की सांसदों से अपील

छत्तीसगढ़ी फिल्म प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष ने मांग की है कि राज्य के सभी सांसद इस मामले में हस्तक्षेप करें और 'जानकी' जैसी फिल्म के साथ हो रहे अन्याय को रोका जाए। उन्होंने इसे 'त्रिया हठ, राज हठ' की तरह एक तरह की प्रशासनिक हठधर्मिता बताया, जो कलाकारों और निर्माताओं के लिए विनाशकारी है। एसोसिएशन ने छत्तीसगढ़ के सभी 11 सांसदों से अपील की है कि छत्तीसगढ़ में सेंसर बोर्ड के लिए उच्च स्तरीय प्रयास करें।

सेंसर बोर्ड की मांग ने पकड़ी जोर

इस घटना ने छत्तीसगढ़ में सेंसर बोर्ड के एक क्षेत्रीय कार्यालय की माँग को और तेज कर दिया है। फ़िल्म प्रोड्यूसर्स और कलाकारों का कहना है कि यदि रायपुर या छत्तीसगढ़ में ही सेंसर बोर्ड की सुविधा उपलब्ध हो जाए तो न केवल समय और पैसा बचेगा, बल्कि स्थानीय संस्कृति को समझकर निष्पक्ष निर्णय लिए जा सकेंगे। संतोष जैन ने पूर्व सेंसर प्रमुख पहलाज निहलानी के बयान का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने मौजूदा प्रमुख प्रसून जोशी पर आरोप लगाया था कि वे ऑफिस नहीं आते, घर से ही काम करते हैं और निर्णयों में पारदर्शिता नहीं रखते।

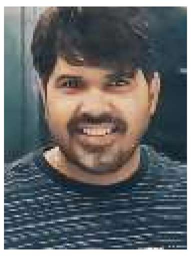

जानकी फिल्म का टीज़र, ट्रेलर, मोशन पोस्टर सब सेंसर बोर्ड से पास हो चुका है। पूरे भारत में प्रमोशन, थिएटर बुकिंग, रिलीज डेट सब तय हो चुका है। करोड़ों रुपए खर्च हो चुके हैं। क्या 'जानकी' नाम रखना कोई अपराध है? क्या कोई कलाकार सीता, दुर्गा, गीता, काली, अनीता जैसे नाम का इस्तेमाल कर सकता है लेकिन 'जानकी' नहीं? अगर यहां से जानकी नाम पास नहीं हुआ तो हम हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे।

- मोहित साहू, प्रोड्यूसर, एन माही फिल्म्स

छत्तीसगढ़ में भी छेत्रीय फिल्मों के सेंसर हेतु फ़िल्म प्रमाणन बोर्ड का कार्यालय पारंभ किया जाना चाहिए।जिस प्रकार विगत कुछ वर्षों से वर्ष भर में दर्जनों फिल्मों का निर्माण किया जा रहा है। महाराष्ट्र एवं ओडिसा के तर्ज पर छत्तीसगढ़ी फिल्मकारों को इस का लाभ मिलेगा।

-संतोष सारथी एक्टर-प्रोडूसर

*सेंसर बोर्ड की यह मनमानी न केवल मोहित भाई जैसे निर्माता के करोड़ों का नुकसान करती है, बल्कि छत्तीसगढ़ जैसे उभरते फिल्म प्रदेश की रफ्तार को भी रोक देती है।हम मांग करते हैं कि ऐसे मामलों में सेंसर बोर्ड से जवाबदेही तय की जाए और आर्थिक नुकसान की भरपाई की व्यवस्था हो। यह सिर्फ मोहित भाई की नहीं, पूरे प्रदेश की लड़ाई है। **-अलख राय, प्रोडूसर***

*प्रायोगिक तौर पर यहाँ इतने बड़े बोर्ड का गठन कर उसे चलवा पाना मुझे प्रसाशन के लिए असंभव लगता है, तो इस बात पर ज़ोर देने के बजाय रिलीज़ से कुछ दिन पूर्व सर्टिफिकेट के लिए दौड़ भाग करने से बेहतर निर्माताओं को हाथ में सर्टिफिकेट लेने के बाद डेट अनाउंस करना चाहिए पर छत्तीसगढ़ में रिलीज़ से एक दो दिन पहले सर्टिफिकेट लेने की प्रथा चल पड़ी है जिससे बचना चाहिए। **-राज वर्मा, प्रोडूसर***

छत्तीसगढ़ी फिल्में मुंबई ज़ोन में आती हैं, जहां ज़्यादातर सदस्य मराठी पृष्ठभूमि के होते हैं। हमारी भाषा और संस्कृति की गहराई से जानकारी न होने की वजह से गलतफहमियां हो जाती हैं।अगर छत्तीसगढ़ में सेंसर बोर्ड की सुविधा हो जाए, तो समय और पैसे दोनों की बचत होगी।

-सतीश जैन, डायरेक्टर-प्रोड्यूसर

*फिल्म सेंसर में अटक कर रिलीज नहीं होती तो निर्माता वितरक के साथ-साथ सिनेमाघरों का भी भारी नुकसान होता है। क्योंकि उस तय दिन पर सिनेमा बुक होता है, जिसकी वजह से वह कोई दूसरी फिल्म बुक नहीं करता। आखिरी समय पर ऐसा कुछ हो तो सिनेमाघरों को बड़ा नुकसान होता है। अगर सेंसर बोर्ड की सुविधा शुरू हो जाए तो लगता है कि ऐसी समस्याएं जो छत्तीसगढ़ी फिल्मों के ऊपर सेंसर को लेकर मंडराती रहती है वह दूर होगी। **लकी रंगशाही, एक्जीबिटर एवं डिस्ट्रीब्यूटर***

मॉडलिंग की शाइनिंग स्टार सरिता

शहरसत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ की बेटी सरिता ने मॉडलिंग की दुनिया में अपनी एक खास पहचान बनाई है। उन्होंने 2021 में मिस छत्तीसगढ़ प्रतियोगिता से अपने करियर की शुरुआत की, जहां वो टॉप-5 में रहीं और मिस पॉपुलर का खिताब जीता। इसके बाद 2022 में मिस सेंट्रल इंडिया का ताज सरिता के सिर सजा और तभी से उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े मंचों पर इंटरनेशनल रनवे का हिस्सा बन चुकीं सरिता के लिए यह सफर आसान नहीं था।

सरिता बताती हैं कि उन्होंने कभी मॉडलिंग को लेकर गंभीरता से नहीं सोचा था, शुरुआत में कई परेशानियों का सामना करना पड़ा, लेकिन धीरे-धीरे उन्हें इंडस्ट्री की समझ होने लगी। मॉडलिंग ने उन्हें सिर्फ ग्लैमर नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और खुद को बेहतर तरीके से प्रस्तुत करने की कला भी सिखाई। उन्होंने अपनी अंतर्मुखी (introvert) प्रवृत्ति को तोड़ा और निखरकर सामने आईं। जहां एक ओर सरिता ने कभी बॉडी शेमिंग या किसी मानसिक दबाव का सामना नहीं किया, वहीं उन्होंने स्वीकारा कि इस इंडस्ट्री में कई फर्जी ऑफर्स और झूठे वादे आम बात हैं। उन्होंने साफ कहा कि किसी भी प्रोजेक्ट को स्वीकारने से पहले उसकी पृष्ठभूमि जांचना जरूरी है, और यदि कहीं धोखा महसूस हो तो तुरंत उस जगह से खुद को अलग कर लेना चाहिए। मॉडलिंग को एक्टिंग से जोड़ने के चलन पर उनका मानना है कि दोनों क्षेत्र अलग हैं और उन्होंने फिल्मों में काम करने के बारे में कभी नहीं सोचा। सरिता के लिए सक्सेस से भी बड़ी चीज है संतोष, वो संतुलन जो जुनून और मानसिक शांति के बीच होना चाहिए। नवोदित मॉडल्स के लिए सरिता की तीन बड़ी सलाहें हैं, खुद पर भरोसा रखें, शॉर्टकट न अपनाएं और हमेशा बेहतर बनने की कोशिश करें। उनकी यही सोच उन्हें खास बनाती है, एक ऐसी मॉडल जो केवल रैंप पर नहीं, ज़िंदगी के हर मोर्चे पर आत्मविश्वास से चल रही है।

आकाश सोनी

नृत्य, अभिनय और समर्पण की प्रेरक यात्रा

शहर सत्ता/रायपुर। बचपन से कला के प्रति विशेष झुकाव रखने वाले आकाश सोनी ने अपनी प्रतिभा को लगातार निखारा है। उन्होंने स्कूल के दिनों में ही नृत्य की बुनियादी शिक्षा लेनी शुरू की और कथक में छह वर्षों का डिप्लोमा पूरा किया। इसके अलावा वे हिप-हॉप, लॉकिंग-पॉपिंग, सालसा और कंटेम्पररी जैसे विभिन्न डांस फॉर्म्स में भी निपुण हैं।

स्कूल शिक्षा के बाद उन्होंने थिएटर की ओर रुख किया और श्री शिबू चटर्जी जैसे अनुभवी गुरुओं से अभिनय की गहन शिक्षा ली। कोलकाता के इंडियन माइम इंस्टीट्यूट में माइम की वर्कशॉप में हिस्सा लेकर उन्होंने अपनी कला को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मांजा। अब तक वे 36 नाटकों और 8 से अधिक रीजनल फिल्मों में अभिनय कर चुके हैं। 'मंहु कुँवारा, तंहु कुँवारी', 'नवा बिहान', 'शाहर्थ', 'जवानी जिंदाबाद' और 'मिल' जैसी प्रमुख फिल्मों में उनका योगदान सराहनीय रहा है। जल्द ही वे ओड़िया फिल्म इंडस्ट्री में भी अपने अभिनय का जादू बिखेरने जा रहे हैं। नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ 'चमन बहार' से उन्होंने हिंदी सिनेमा में पदार्पण किया, जो उनके करियर का महत्वपूर्ण पड़ाव रहा। आकाश मानते हैं कि प्रशिक्षण से आत्मविश्वास, आत्मविश्वास से धैर्य और धैर्य से सफलता मिलती है।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश

भारत में हवाई यात्रा कितनी सुरक्षित ?

अहमदाबाद हवाई अड्डे से 12 जून 2025 को दोपहर एक बजकर 38 मिनट पर लंदन के गैटविक हवाई अड्डे के लिए उड़ा एयर इंडिया का विमान एक मिनट के अंदर ही क्रैश हो गया. इस बोइंग ड्रीमलाइनर एयरक्राफ़्ट में मौजूद 242 में से 241 लोगों की मौत हो गई. सिर्फ़ एक शख़्स चमत्कारिक रूप से बच गया. इस हादसे में ज़मीन पर विमान की चपेट में भी कुछ लोग आए और कुल मिलाकर कम से कम 270 लोगों की मौतें हुई हैं. विमान एक मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल पर जाकर गिरा था और वहां भी कई लोगों की जान गई. ये भारत के सबसे भयानक विमान हादसों में एक है. इससे पहले अगस्त 2020 में एयर इंडिया एक्सप्रेस का बोइंग 737 कोझिकोड में रनवे पर करते हुए खाई में जा गिरा था. इसके कारण 18 लोगों की मौत हो गई थी. मई 2010 में एयर इंडिया का विमान मंगलुरु में रनवे से आगे निकल गया था. इसमें 158 लोग मारे गए थे, तो ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि आख़िर इस बार क्या हुआ?

कैसे दुर्घटनाग्रस्त हुआ ड्रीमलाइनर ?

अहमदाबाद हवाई अड्डे के टेक-ऑफ़ के ठीक बाद रनवे से सिर्फ 1.5 किलोमीटर दूर बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान कैसे दुर्घटनाग्रस्त हो गया? एआई171 के साथ वास्तव में क्या हुआ, यह तो एक विस्तृत जांच के बाद ही पता चलेगा लेकिन इस दुर्घटना के बाद सबसे बड़ा सवाल क्या उठता है? वायु सुरक्षा विशेषज्ञ वंदना सिंह कहती हैं, "सबसे बड़ा सवाल यही है कि किस तरह से हम इस दुर्घटना से बच सकते थे. हमारे में क्या कमी रह गई? क्या एयर इंडिया के मेंटेनेंस में कोई कमी रह गई? क्या रेगुलेटरी चेक में कोई कमी रह गई? क्या इंजीनियरिंग चेक में कमी रह गई कि हम इस हादसे को नहीं रोक पाए?"वंदना सिंह बताती हैं, "विमान दुर्घटना को लेकर चल रही सारी थ्योरी और अटकलों पर तब विराम लगेगा जब विशेषज्ञ डेटा रिकॉर्डर और वॉयस रिकॉर्डर को एक साथ रखकर जांच करेंगे." वंदना सिंह मानती हैं, "यह इलेक्ट्रिकल और सॉफ्टवेयर सिस्टम फेल्योर है क्योंकि यह विमान दिल्ली से अहमदाबाद आ रहा था. उस समय जो यात्री इस पर सवार थे उन्होंने शिकायतें की थीं कि विमान में कुछ गड़बड़ी है. एसी काम नहीं कर रहा है और न ही एंटरटेनमेंट सिस्टम काम कर रहा है."

वो सवाल उठाती हैं, "अभी ये कहा जा सकता है कि ये छोटी मोटी चीज़ें हैं लेकिन सवाल उठता है कि एक घंटे की उड़ान के बाद जब ये विमान अहमदाबाद पहुंचा तो क्या वहां इन चीज़ों को जांचा गया?"वह कहती हैं, "मुझे पूरी उम्मीद है कि लंदन की उड़ान भरने से पहले ये सब चीज़ें अच्छी तरह से जांच ली गई होंगी लेकिन मेरे ज़ेहन में ये सवाल आता है कि इसमें कुछ चूक तो नहीं हो गई? इसमें कुछ कमी तो नहीं रह गई?" वंदना सिंह कहती हैं, "मेरा मानना है वहां एक इलेक्ट्रिकल सॉफ्टवेयर था. तो क्या उसमें कुछ गड़बड़ी रह गई जिसके कारण यह हादसा हुआ लेकिन यह सिर्फ़ एक आंकलन है."

क्या कह रहे चश्मदीद?

भारत के नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने विमान हादसे की जांच की बात कही है लेकिन जिस समय विमान दुर्घटना हुई और जिन्होंने इस दुर्घटना को होते हुए देखा वह क्या कह रहे हैं? एक चश्मदीद ने बताया , "विमान जहां आकर गिरा वह पोस्ट ग्रेजुएट हॉस्टल है. हादसे को कई घंटे बीत गए हैं लेकिन विमान का एक हिस्सा हॉस्टल पर ही अटका हुआ है." लोगों के दो तरह से रिएक्शन देखने को मिल रहे हैं. एक जिन्होंने हादसे के बाद तुरंत घटनास्थल के पास पहुंचकर लोगों को बचाया और उन्होंने मलबे से कई शव निकाले. इसके बाद से वह सभी सदमे में हैं." "दूसरी तरफ एयरपोर्ट के पास रहने वाले लोगों में यह डर है कि ऐसा हादसा उनके साथ भी कभी भी हो सकता है. यहां एक शॉक और डर का माहौल है."

एक व्यक्ति जिसने इस दुर्घटना में ज़िंदा बचे इकलौते व्यक्ति से बात की थी. उसने बताया कि उसे विश्वास नहीं हुआ कि कोई ऐसी दुर्घटना में भी बच सकता है?" वो कहती हैं कि उन्हें एक महिला ऐसी भी मिली, जिन्होंने ये बताया कि उनके परिवार को इस घटना में कुछ भी नहीं हुआ लेकिन पूरी रात हम रोते रहे और हम सो नहीं पाए. "इस हॉस्टल या आसपास के कितने लोगों की मौत हुई है. इसका कोई आधिकारिक आंकड़ा तो नहीं आया है लेकिन जिस समय ये हादसा हुआ उस समय डॉक्टर्स का लंच ब्रेक था और वह सभी मेस में थे और यहां पर मौत हुई है. यह पक्की बात है."

भारत के सबसे भयानक विमान हादसे

एयर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट 1344 (साल 2020)

कोरोना महामारी के दौरान, वंदे भारत रिपार्टिशन मिशन के हिस्से के रूप में संचालित एयर इंडिया एक्सप्रेस उड़ान 1344, 7 अगस्त, 2020 को कोझिकोड (कालीकट) इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरते समय रनवे से फिसल गई. भारी बारिश के बीच, विमान गीले टेबलटॉप रनवे से आगे निकल गया, घाटी में गिर गया और दो हिस्सों में बंट गया. विमान में सवार 190 लोगों में से दो पायलटों सहित 21 लोगों की जान चली गई.

एयर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट 812 (साल 2010)

22 मई, 2010 को एयर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट 812 कर्नाटक के मंगलुरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरते समय रनवे से आगे निकल गई. दुबई से आ रही बोइंग 737-800, टेबलटॉप रनवे से परे एक खाई में गिर गई और आग की लपटों में घिर गई, जिससे 158 लोगों की मौत हो गई. इस दुखद घटना ने प्रतिकूल परिस्थितियों के दौरान भारत के टेबलटॉप एयरपोर्ट्स और लैंडिंग प्रोटोकॉल की जांच बढ़ा दी.

एलायंस एयर फ्लाइट 7412 (साल 2000)

17 जुलाई, 2000 को एलायंस एयर फ्लाइट 7412 उतरने का प्रयास करते समय बिहार के पटना में घनी आबादी वाले आवासीय क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गई. फाइनल एप्रोच के दौरान अनुचित संचालन के कारण बोइंग 737-200 को कम ऊंचाई पर रुकने का अनुभव हुआ. साठ लोग मारे गए, जिनमें पांच ग्राउंड पर मरे थे. दुर्घटना ने छोटे शहरी एयरपोर्ट पर एप्रोच की प्रक्रिया को अपग्रेड करने को प्रेरित किया.

चरखी दादरी में हवा में टक्कर (साल 1996)

12 नवंबर 1996 को जो प्लेन क्रैश हुआ वह भारत की सबसे विनाशकारी विमानन दुर्घटना बन गई. उसमें 349 लोग मारे गए. यह त्रासदी तब हुई जब सउदीया फ्लाइट 763 (एक बोइंग 747) और कजाकिस्तान एयरलाइंस की फ्लाइट 1907 (एक इल्यूशिन आईएल-76) हरियाणा में चरखी दादरी के पास हवा में टकरा गईं. यानी दो प्लेन की हवा में टक्कर हुई थी. दुर्घटना की वजह थी कि कम्यूनिकेशन सही से नहीं किया गया और कजाख प्लेन का क्रू अपनी निर्धारित ऊंचाई से नीचे उतर आया था. घटना के बाद, भारत ने महत्वपूर्ण विमानन सुरक्षा उपाय पेश किए, जिसमें सभी वाणिज्यिक विमानों पर ट्रैफिक टकराव बचाव प्रणाली (टीसीएएस) की स्थापना को अनिवार्य करना शामिल है.

इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट 605 (साल 1990)

14 फरवरी 1990 को, इंडियन एयरलाइंस की उड़ान 605 बेंगलुरु के एचएएल एयरपोर्ट के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें सवार 146 लोगों में से 92 की मौत हो गई. एयरबस A320 उस समय भारत में अपेक्षाकृत नया विमान था. वो बहुत नीचे उतरा और रनवे से कुछ दूर जमीन से टकराकर एक गोल्फ कोर्स पर फिसल गया. जांच से पता चला कि पायलट की गलती थी और क्रू को A320 के उन्नत डिजिटल कॉकपिट की पूरी जानकारी नहीं थी और इसी के कारण यह दुखद दुर्घटना हुई.

इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट 113 (साल 1988)

19 अक्टूबर 1988 को खराब दृश्यता (विजिबिलिटी) के बीच, इंडियन एयरलाइंस की उड़ान 113, बोइंग 737-200, अहमदाबाद एयरपोर्ट के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई. मुंबई से आ रही फ्लाइट पेड़ों से टकरा गई और रनवे से कुछ दूर जाकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई. इससे उसमें सवार 135 लोगों में से 133 की मौत हो गई. जांचकर्ताओं ने पायलट की गलती, अपर्याप्त मौसम की जानकारी और हवाई यातायात नियंत्रण द्वारा प्रक्रियात्मक खामियों की ओर इशारा किया.

एयर इंडिया की उड़ान 855 (साल 1978)

1 जनवरी 1978 को, दुबई जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट 855 (एक बोइंग 747) मुंबई से उड़ान भरने के तुरंत बाद अरब सागर में गिर गई, जिससे उसमें सवार सभी 213 लोगों की मौत हो गई. यह दुर्घटना उड़ान के केवल 101 सेकंड बाद घटी जब एक दोषपूर्ण एटीट्यूड डायरेक्टर इंडिकेटर के कारण कैप्टन ने विमान की दिशा का गलत अर्थ निकाला. दुर्घटना समुद्र के ऊपर रात के समय हुई, जिससे चालक दल को अपने पोजिशन का पता आंखों से नहीं चला.

इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट 440 (1973)

31 मई 1973 को, इंडियन एयरलाइंस की उड़ान 440 दिल्ली के पालम एयरपोर्ट के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई. बोइंग 737-200 को खराब मौसम का सामना करना पड़ा और रनवे से कुछ ही दूर हाई-टेंशन तारों से टकरा गया. जहाज पर सवार 65 लोगों में से 48 की मौत हो गई. मृतकों में प्रमुख भारतीय राजनीतिज्ञ मोहन कुमारमंगलम भी शामिल थे. दुर्घटना ने भारतीय एयरपोर्ट्स पर बेहतर मौसम रडार की आवश्यकता को रेखांकित किया.

साप्ताहिक शहर सत्ता

खबर का असर

'10 कैफे' आवंटन, संचालन और लीज शर्तों की बैठी जांच

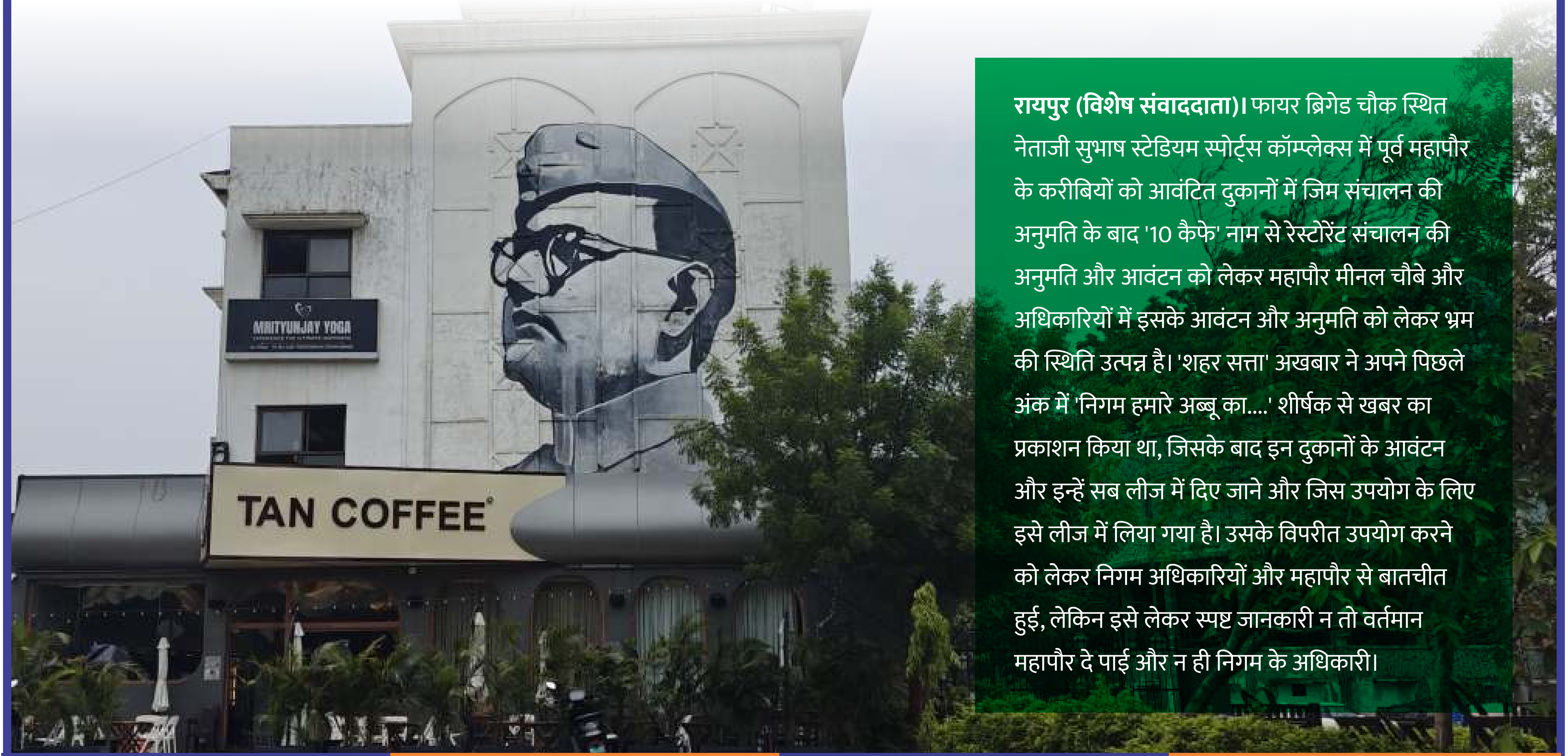

रायपुर (विशेष संवाददाता)। फायर ब्रिगेड चौक स्थित नेताजी सुभाष स्टेडियम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में पूर्व महापौर के करीबियों को आवंटित दुकानों में जिम संचालन की अनुमति के बाद '10 कैफे' नाम से रेस्टोरेंट संचालन की अनुमति और आवंटन को लेकर महापौर मीनल चौबे और अधिकारियों में इसके आवंटन और अनुमति को लेकर भ्रम की स्थिति उत्पन्न है। 'शहर सत्ता' अखबार ने अपने पिछले अंक में 'निगम हमारे अब्बू का....' शीर्षक से खबर का प्रकाशन किया था, जिसके बाद इन दुकानों के आवंटन और इन्हें सब लीज में दिए जाने और जिस उपयोग के लिए इसे लीज में लिया गया है। उसके विपरीत उपयोग करने को लेकर निगम अधिकारियों और महापौर से बातचीत हुई, लेकिन इसे लेकर स्पष्ट जानकारी न तो वर्तमान महापौर दे पाई और न ही निगम के अधिकारी।

स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स दुकान आवंटन नियम विरुद्ध	नियम-शर्तों को लेकर अफसरों में भ्रम की स्थिति	चार दुकानों का सालाना किराया डेढ़ लाख रूपये	जिम की सालाना मेंबरशिप करीब 45 हजार रुपये

वहीं निगम की उपायुक्त अंजलि शर्मा ने 'शहर सत्ता' की टीम को शहर में आवंटित निगम के व्यावसायिक परिसरों और इनके आवंटन संबंधी नियमों का हवाला देते हुए कहा कि जैसे अन्य दुकानों का आवंटन होता है उसी प्रकार स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के दुकानों का भी आवंटन हुआ है। लेकिन जब उनसे निगम के व्यावसायिक परिसर आवंटन और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स आवंटन के नियमों के बारे में बात की गई तो उनका कहना था कि मुझे अभी इस मामले में जानकारी नही है मैं जांच के लिए एक टीम बनाकर आदेशित कर देती हूं।

स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के आवंटन की नीति दरकिनार

आपको बता दें कि सुभाष स्टेडियम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में दुकानों के आवंटन को लेकर विशेष नीति बनाई गई है कि इन दुकानों और कॉम्प्लेक्स के अंदर बनें भवनों को खेल संघों और खेल को बढ़ावा देने वाली संस्थानों को आवंटित करना है, साथ ही निर्माण में किसी प्रकार का तोड़फोड़ करने की स्थिति में आवंटन रद्द कर दिया जाएगा, बावजूद इसके दुकान जिम और कैफे बनाने मनमाने ढंग से तोड़फोड़ किया गया।

नियम दरकिनार कर लीज की सब-लीज

आवंटन नियमानुसार लीज धारक किसी अन्य व्यक्ति को लीज पर न दे सकता है और न ही उसका उपयोग बदल सकता हैं, लेकिन कॉम्प्लेक्शन में जिनको दुकानों का आवंटन हुआ है जैसे 22 नं. गुफरान कुरैशी, 23 नं. गीता नायक, 24 नं. लोकेश यादव, 25 नं. आशीष यादव के नाम आवंटन है जिसे बिना निगम अधिकारियों के अनुमति के '10 कैफे' को लीज में दिया गया। 10 कैफे रेस्टोरेंट और जिम का संचालन पूर्व महापौर एजाज ढेबर के परिवार के लोग कर रहे हैं।

> *इस मामले में हमने जांच टीम बनाई है। चरों आवंटित लीज में दी गई दूकान और जिम के संचालकों समेत सब-लीज में संचालित करने वालों की तस्दीक की जाएगी। नियम के विपरीत संचालन होने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।*
>
> ***- अंजली शर्मा, अपर आयुक्त, बाजार शाखा, रायपुर नगर निगम***

हफ्तेभर नियम से आवंटन की बात, फिर कहा - जांच कराएंगे

नेताजी सुभाष स्टेडियम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में दुकान आवंटन और बिना अनुमति लीज में दिए रेस्टोरेंट और जिम के संचालन अनुमति को लेकर निगम अधिकारी हफ्तेभर से नियमों का हवाला दे रहे थे जब स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और निगम के व्यावसायिक परिसर की बात आई तो अधिकारियों ने इस पर जांच टीम बनाकर आगे की कार्रवाई की बात कर रहे हैं।

राजनीतिक संरक्षण पर अधिकारियों ने साधी चुप्पी

इन चारों दुकानों में जिम और कैफे रेस्टोरेंट खुला है जिसका संचालन पूर्व महापौर एजाज ढेबर की बेटी और दामाद कर रहे हैं। इसलिए निगम के अधिकारी सीधे तौर पर इस मामले में कुछ भी बोलने से पहले जांच का हवाला दे रहे हैं, लेकिन महापौर मीनल चौबे इस मामले में नियमों के विपरीत होने पर कार्रवाई की बात कह रही है। बहरहाल, राजनीतिक संरक्षण और धाक के बारे में सभी को पता है शायद इसीलिए अधिकारियों में इसे लेकर नियम बताने और कार्रवाई करने भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो गई।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री सुकांत राजपूत द्वारा ए.आर. प्रिंटर्स, निरंकारी फर्नीचर के पीछे, पंडरी रायपुर से मुद्रित एवं शहरसत्ता, एस-15 प्रियदर्शिनी नगर, सेक्टर 1, मातृ-पितृ छाया अपार्टमेंट, रायपुर (छ.ग.), मोबाईल नं. 98271-81979, फोन नं. 0771-4517255, संपादक - सुकांत राजपूत (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार के लिए जिम्मेदार), महाप्रबंधक - प्रदीप चंद्रवंशी।